RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः149, शनिवार , 07 जून 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

एमजीसीयू को सौंपा गया गांधी संग्रहालय परिसर के पार्क के विकास का दायित्व 03

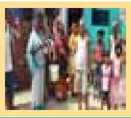
नगर परिषद के वार्ड संख्या 33 में पानी के लिए त्राहिमाम 04

आंखों की गुस्ताखियां का पहला पोस्टर रिलीज शनाया कपूर के साथ रोमांस... 07

दुनिया के सबसे ऊंचे रेल पुल पर मोदी ने फहराया तिरंगा

फिर जम्मू-कश्मीर की वंदे भारत ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

जम्मू (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को चिनाब रेलवे ब्रिज का उद्घाटन किया। इससे पहले उन्होंने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज का मुआयना किया। यह ब्रिज जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में चिनाब नदी के ऊपर बनाया गया है। इसके बाद पीएम मोदी ने अंजी ब्रिज का भी उद्घाटन किया। अंजी ब्रिज, भारत का पहला केबल रेल ब्रिज है। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई, जो घाटी को शेष भारत से जोड़ने वाली पहली ट्रेन है। प्रधानमंत्री ने कटरा रेलवे स्टेशन पर कटरा-श्रीनगर वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाने से पहले ट्रेन के यात्रियों और चालक दल के सदस्यों से बातचीत की। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी चिनाब नदी पर बने विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे पुल के निकट स्थित 'व्यू प्वाइंट' पर पहुंचे और उन्हें इस परियोजना के बारे में जानकारी दी गई जो कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से रेल द्वारा जोड़ने के लिए अहम है। प्रधानमंत्री ने केंद्रीय मंत्रियों अश्विनी वैष्णव, जितेंद्र सिंह और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ प्रतिष्ठित पुल के पास स्थापित रेलवे संग्रहालय का दौरा किया। प्रधानमंत्री 'व्यू प्वाइंट' तक गए और उन्हें नदी से 359 मीटर की ऊंचाई पर स्थित इंजीनियरिंग के उत्कृष्ट नमूने के तौर पर चिनाब पुल के बारे में जानकारी दी गई। यह पुल पेरिस स्थित एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा है। प्रधानमंत्री को संग्रहालय में इंजीनियरों और श्रमिकों के साथ बातचीत करते भी देखा गया। यह संग्रहालय रियासी जिले में चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे मेहराब वाले रेलवे पुल का हिस्सा है। बाद में प्रधानमंत्री मोदी ने चिनाब रेलवे पुल और अंजी नदी पर भारत के पहले 'केबल-स्टेड' रेलवे पुल का उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री के उद्घाटन के साथ शनिवार सात जून से इन दोनों वंदे भारत ट्रेनों की वाणिज्य की यात्राएं शुरू हो जाएंगी। श्रीनगर और श्री वैष्णो देवी कटरा के बीच का सभी शुल्कों सहित किराया चेयर कार श्रेणी में 715 रुपए और एग्जीक्यूटिव क्लास में 1320 रुपए निर्धारित किया गया है। इन दोनों ट्रेनों के चलने से देश के विभिन्न हिस्सों से पर्यटकों को पहुंचने में आसानी होगी।

दिल्ली में शुरू हुई चौथी भारत-मध्य एशिया वार्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री (ईएएम) एस. जयशंकर ने शुक्रवार को नई दिल्ली में चौथी भारत-मध्य एशिया वार्ता के लिए कजाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान,

उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और ताजिकिस्तान के विदेश मंत्रियों का स्वागत किया। इस बैठक में आतंकवाद का मुद्दा जोर-शोर से उठा। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत पूरे क्षेत्र में आतंकवाद विरोधी और कट्टरपंथ विरोधी साझेदारी को बढ़ाने में मजबूती से आगे बढ़ रहा है। हम आतंकवाद को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसके अलावा व्यापार, कनेक्टिविटी पर भी चर्चा हुई।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर कांग्रेस को अपने ही दिखा रहे आईना

- पार्टी के अटैक से बेपरवाह हैं शशि थरूर और खुर्शीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद हाल ही में विदेश दौरे से लौटे हैं। वह भी ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर दुनिया पर दुनिया भर के देशों को जानकारी देने गए एक प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। वहीं कांग्रेस सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर ने तो इसी तरह के एक बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई की है। मोदी सरकार ने

इन्हें सुरक्षा परिषद से लेकर अमेरिकी सांसदों और राजनेताओं तक भारत की बात पहुंचाने की जिम्मेदारी दी है। इन प्रतिनिधिमंडलों ने कई देशों का दौरा किया है। इसी तरह से एक प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस के एक और सांसद मनीष तिवारी भी शामिल रहे हैं और वह भी अपनी सफल यात्रा को लेकर गदगद हैं। लेकिन, अपने देश में उनकी कांग्रेस पार्टी सरकार की इस रणनीति पर शुरू से अटैक पर अटैक कर रही है। सलमान खुर्शीद ने कहा है कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि लोग अटकलें क्यों लगा रहे हैं और क्या ढूंढ़ रहे हैं।

भारत में दंगे करवाना चाहता था पाकिस्तान

कटरा में पीएम बोले-उसने इंसानियत और कश्मीरियत दोनों पर किया है वार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शुक्रवार को जम्मू कश्मीर में रेलवे प्रोजेक्ट समेत कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इस मौके पर पीएम ने 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने पहलगाम में इंसानियत और कश्मीरियत, दोनों पर वार किया था।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पाकिस्तान मानवता का भी विरोधी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कटरा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा पड़ोस का देश मानवता का विरोधी, मेल-जोल का विरोधी, टूरिज्म का विरोधी है। पीएम मोदी ने कहा कि है कि वो ऐसा देश है जो गरीब की रोज़ी-रोटी का भी विरोधी है। 22 अप्रैल को पहलगाम में जो कुछ हुआ वो इसी का उदाहरण है।

पीएम मोदी ने पाकिस्तान पर हमलावर करते हुए कहा कि उसका इरादा कश्मीर के मेहनती लोगों की कमाई को रोकना था। इसलिए पाकिस्तान ने टूरिस्ट पर हमला किया।

वो टूरिज्म जो बीते चार पांच साल में लगातार बढ़ रहा था। हर साल यहां रिकॉर्ड संख्या में टूरिस्ट आ रहे थे।

आतंकवाद को कश्मीर के नौजवानों ने दिया कड़ा संदेश

पीएम मोदी ने जम्मू-कश्मीर के युवाओं का जिक्र करते हुए कहा कि नौजवान अब आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देने का मन बना चुका है। ये वो आतंकवाद है, जिसने घाटी में स्कूल जलाए, अस्पताल तबाह किए, जिसने कई पीढ़ियों को बर्बाद किया। पाकिस्तान की साजिश के खिलाफ जिस प्रकार जम्मू-कश्मीर के लोग उठ खड़े हुए हैं। जम्मू-कश्मीर की आवाम ने इस बार जो ताकत दिखाई है, उसने सिर्फ पाकिस्तान ही नहीं, दुनियाभर में आतंकवाद को कड़ा संदेश दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक महीने पहले 6-7 मई की दरमियानी रात हुए ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र भी किया। पीएम मोदी ने कहा कि आज 6 जून है। संयोग से ठीक एक महीने पहले, आज की ही रात पाकिस्तान के आतंकियों पर कयामत बरसी थी। अब पाकिस्तान कभी भी ऑपरेशन सिंदूर का नाम सुनेगा तो उसे अपनी शर्मनाक शिकस्त याद आएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि पाकिस्तानी फौज और आतंकियों ने कभी नहीं सोचा था कि भारत, पाकिस्तान में घुसकर मारेगा।

होम लोन होंगे सस्ते, ईएमआई में भी मिल सकती है राहत

आरबीआई का बड़ा तोहफा, ब्याज दर में की कटौती

मुंबई (एजेंसी)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया बैंकों को दिए जाने वाले कर्ज की दर यानी रेपो रेट में 0.50 फीसदी की कटौती की है। अब रेपो रेट 5.50 फीसदी रह गया है। इससे बैंकों को आरबीआई से कम ब्याज पर कर्ज मिलेगा। ब्याज में इस कटौती को बैंक अपने ग्राहकों को ट्रांसफर करते हैं, तो आने वाले दिनों में लोन सस्ते हो सकते हैं। लोन सस्ते होने पर लोगों की मौजूदा ईएमआई भी घट जाएगी। ब्याज दरों में कटौती का फैसला मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की 4 से 6 जून तक चली मीटिंग में लिया गया। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार 6 जून की सुबह इसकी जानकारी दी। आरबीआई जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं। महंगाई कंट्रोल करने के लिए इसे बढ़ाया-घटाया जाता है। ताजा कटौती के बाद 20 साल के लिए लिए गए 20 लाख के लोन पर करीब 1.48 लाख का फायदा मिलेगा। इसी तरह 30 लाख के लोन पर 2.22 लाख का फायदा होगा।

अबकी बिहार चुनाव में सवर्ण राजनीति के लौटेंगे दिन!

- आयोग कर सकता है समुदाय के लिए तीन बड़ी सिफारिशें

पटना (एजेंसी)। बिहार में नीतिश कुमार सरकार ने सवर्ण आयोग को मजबूत कर दिया है। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले नीतिश कुमार ने आयोग को नए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और मेंबर दिए हैं। यही नहीं आयोग ने बुधवार को ही एक मीटिंग भी की है, जिसमें सवर्ण समाज में आने वाली जातियों के हालात पर चिंता व्यक्त की गई। नीतिश कुमार सरकार को लगता है कि अति-पिछड़ा, दलित और पिछड़ा की गोलबंदी के बीच कहीं सवर्ण समुदाय न छिटक जाए। ऐसे में उसे साधने के लिए यह उपक्रम किया गया है। भाजपा के समर्थक कहे जाने वाले सवर्ण समुदाय की राजपूत और भूमिहार जैसी जातियां अक्सर छिटकती रही हैं। हालांकि ब्राह्मण और कायस्थ भाजपा के पक्ष में एकजुट नजर आए हैं।

पीएम मोदी को बार-बार सरेंडर करने की है आदत

- राहुल बोले-ट्रंप ने 11 बार कहा मैंने मोदी को सरेंडर करवाया, पीएम कुछ नहीं बोल पाए

नालंदा (एजेंसी)। राहुल गांधी ने शुक्रवार को राजगीर में कहा- मोदी को सरेंडर करने की आदत है। ट्रंप ने सार्वजनिक तौर पर 11 बार बोला कि मैंने मोदी को सरेंडर करवाया। पीएम कुछ नहीं बोल पाए। वो क्यों नहीं बोले कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। वे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में अति पिछड़ा समाज को संबोधित कर रहे थे। अपने 30 मिनट के भाषण में उन्होंने आगे कहा-मोदी जी हर भाषण में कहते थे कि मैं ओबीसी हूं। जनगणना की बात के बाद कहते हैं कि भारत में जाति नहीं है। अगर जाति नहीं है तो कैसे ओबीसी हो गए।

- **बजट में दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा के लिए कुछ नहीं-** देश का बजट 11 अफसरों ने बनाया। 90 फीसदी वाले दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा वाले उनमें कोई नहीं है। ज्युडिशियरी में भी वहीं हालत है। वहीं मजदूरों की लिस्ट निकालो वहां आपको सिर्फ ओबीसी, दलित, अति पिछड़ा मिलेंगे। मोदी जी हर भाषण में कहते थे कि मैं ओबीसी हूं। जातीय जनगणना की बात के बाद कहते हैं कि भारत में जाति नहीं है। अगर जाति नहीं है तो आप कैसे ओबीसी हो गए। प्राइवेट हॉस्पिटल के लिए सरकार जमीन देती है, लेकिन एक भी हॉस्पिटल के मालिक दलित है तो बता दीजिए। सारे के सारे कॉलेज-स्कूल में दलित नहीं है।

अमरनाथ यात्रा

ऑपरेशन 'शिवा' में तैनात होंगे 58 हजार जवान

- श्रद्धालुओं को ले जाने वाले खच्चरों की भी टैगिंग

श्रीनगर (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा के काफिले की सुरक्षा के लिए पहली बार जैमर लगाए जाएंगे, जिसे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) सुरक्षा प्रदान करेंगी। काफिले के गुजरने के दौरान सुरक्षा के लिए यात्रा के दोनों रूट और नेशनल हाईवे की ओर जाने वाली सभी सड़कों को बंद कर दिया जाएगा। यह फैसला 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद आया है। बायसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटक मारे गए थे। इसके अलावा यात्रा के लिए अलग-अलग केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 581 कंपनियां तैनात की जाएंगी। अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा को ऑपरेशन शिवा नाम दिया गया है। लगभग 42000 से 58,000 जवान तैनात होंगे। टीम में सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स, सशस्त्र सीमा बल, इंडो तिब्बत बॉर्डर पुलिस, सेंट्रल इंडस्ट्री सिक्योरिटी फोर्स शामिल रहती है। मीडिया

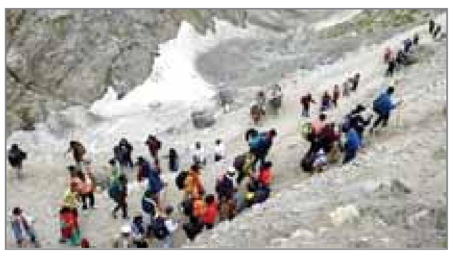

रिपोर्ट्स के मुताबिक, 156 कंपनियां पहले से जम्मू-कश्मीर में तैनात थीं, जबकि 425 नई कंपनियों को 10 जून तक तैनात किया जाएगा। 3 जुलाई से 9 अगस्त तक चलने वाली यात्रा पहली बार 38 दिन की हो रही है।

- **ड्रोन और स्पेशल स्निफर डॉग भी करेंगे निगरानी-** अमरनाथ यात्रा को सुरक्षित करने के लिए रोड ओपनिंग पार्टी (आरओपी), खतरों पर तुरंत एक्शन के लिए क्विक एक्शन टीम (क्यूएटी), विस्फोटकों का पता लगाने और उन्हें निष्क्रिय करने के लिए बॉम्ब डिफ्यूजल स्क्वॉड (बीडीएस), के 9 यूनिट्स (विशेष रूप से प्रशिक्षित खोजी कुत्ते) और हवाई निगरानी के लिए ड्रोन शामिल होंगे। ये व्यवस्थाएं जम्मू और कश्मीर में अमरनाथ गुफा मंदिर तक जाने वाले पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों पर लागू होंगी। 2024 में यह यात्रा 52 दिनों की थी। 2023 में 62 दिन, 2022 में 43 दिन और 2019 में 46 दिनों तक यात्रा चली। 2020-21 में कोरोना महामारी के कारण यात्रा स्थगित रही। 2024 में 52 दिनों तक चली अमरनाथ यात्रा में 5 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन किए थे। 2023 में 4.5 लाख यात्री शामिल हुए थे। साल 2012 में रिकॉर्ड 6.35 तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए थे। 2022 में कोविड के कारण आंकड़ा घटा था और 3 लाख तीर्थयात्रियों दर्शन के लिए पहुंचे थे।

बेंगलुरु भगदड़

तार पर लटके कपड़े और जूते-चप्पल बता रहे असली मंजर

बेंगलुरु (एजेंसी)। आरसीबी के आईपीएल विजेता बनने का जश्न 11 परिवारों के लिए मातम बन गया। बुधवार को बेंगलुरु के नौजवान अपने फेवरेट आरसीबी के सपोर्ट के लिए लाखों की संख्या में सड़क पर उतरे थे। चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ में मारे

150 बोरियां फुल हो गईं, भयावह मंजर देख कांपे सफाईकर्मी

गए सारे 11 लोग युवा थे। उनकी उम्र 35 साल से भी कम थी। गुरुवार को स्टेडियम के बाहर हर तरफ तबाही का मंजर था। टूटे हुए कपड़े, जूते और अन्य सामान बिखरे पड़े थे। स्टेडियम के गेट नंबर 7, 18, 21 और 2 के पास इतने जूते-चप्पल मिले कि 150 बोरियां भर गईं। उनमें से कई जूतों पर खून के निशान थे, जो सूख चुके थे। बच्चों के जूतों को देखकर सफाईकर्मियों का कलेजा कांप गया। 14 साल की दिव्यांशी को यह अंदाजा नहीं था, वह चिन्नास्वामी स्टेडियम नहीं, बल्कि मौत के मुंह में जा रही है। बेंगलुरु के भगदड़ में मरने वालों में 19 साल का चिन्मय और 17 वर्ष का शिवलिंगा भी था। हादसे में 20 वर्ष का भूमिक और श्रवण भी मारा गया। मरे अन्य लोगों की पहचान दूरेसा (32 साल), सहाना (25 साल), देवी (29 साल), अक्षता (27 साल) के तौर पर हुई थी। इसके अलावा 47 लोग गंभीर रूप से घायल हुए। एक सुरक्षा गार्ड ने बताया कि उसने सैकड़ों लोगों को गिरते,

लंगड़ाते और दर्द से चीखते हुए देखा। भगदड़ के बाद अगली सुबह भयावह थी। हर तरफ चप्पल जूते बिखरे थे। गेट नंबर 7 का मंजर दर्दनाक था।

- ऐसा माहौल था जैसे स्टेडियम में युद्ध हुआ हो

पिछले पांच साल से स्टेडियम में काम करने वाली रूपा ने बताया कि उसने ऐसा पहले कभी नहीं देखा था। रूपा ने कहा कि वह हर मैच के बाद हम सफाई करती है, लेकिन गुरुवार की सुबह रुलाने वाला था। रूपा ने बताया कि उसे हर तरह के जूते मिले। महंगे जूते, महिलाओं की चमकती चप्पलें और पांच साल के बच्चों की चप्पलें भी मिलीं। रूपा ने कहा कि अमीर होने या अच्छे कपड़े पहनने का क्या फायदा, अगर भीड़ में कुचलकर मरना पड़े। एक अन्य कर्मचारी सुबुली ने बताया कि वह 2015 से स्टेडियम में काम कर रही हैं। भगदड़ के बाद अगली सुबह स्टेडियम का हाल देखकर उनका दिल टूट गया। उन्होंने कहा कि सुबह ऐसा लग रहा था जैसे कोई युद्ध हुआ हो। सुबुली को एक छोटे बच्चे की चप्पल मिली। उसे लगा कि अगर उसका बच्चा वहां होता तो क्या होता। जब कोई बड़ा आयोजन होता है तो स्टेडियम में सफाई के लिए कुछ कर्मचारियों को कॉन्ट्रैक्ट पर भी रखा जाता है। बुधवार को सफाई कर्मचारियों को जल्दी सफाई करने के लिए कहा गया था क्योंकि गृह मंत्री आने वाले थे। पिछले 18 सालों से काम कर रहे शशि एस भी बुधवार को स्टेडियम में थे। उन्हें मेहमानों को खाना परोसने के लिए कहा गया था।

नागपुर में आरएसएस ने किया राफेल फाइटर जेट का सम्मान

- स्वयं सेवकों ने बनाया भारतीय युद्धक विमान का फॉर्मेशन

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा नागपुर में आयोजित किए गए वर्ग के समापन समारोह के दौरान स्वयं सेवकों ने राफेल फार्मेशन का निर्माण करके भारतीय युद्धक विमान को सम्मानित किया। इस फॉर्मेशन को बनाने के दौरान मंच पर मुख्य सरसंघचालक मोहन भागवत समेत तमाम वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे। आपको बता दें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान फ्रांस में निर्मित राफेल विमानों ने अपनी ताकत का प्रदर्शन किया था। हालांकि पाकिस्तान की तरफ से भारतीय विमानों को गिराने का दावा किया गया था लेकिन भारतीय सेना ने इस पर कोई ऑफिशियल जवाब नहीं दिया था। इससे पहले राफेल विमान से जुड़ी एक बड़ी खबर भी आज सामने आई, जिसमें यह बताया गया कि फ्रांसिसी विमान निर्माता कंपनी डसॉल्ट ने फाइटर जेट के फ्यूजलाज को भारत में बनाने को कहा है।

संक्षिप्त समाचार

राजधानी पटना में हुई बारिश, कई जिलों के लिए आंधी, बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी

पटना, एजेंसी। उमस और गर्मी के बीच राजधानी पटना में शुक्रवार सुबह मौसम ने करवट ली। सुबह खिली धूप के बाद काले बादल छा गए और थोड़ी ही देर में तेज हवा के साथ बारिश होने लगी। सुबह 10 बजे के बाद लगभग आधे घंटे के लिए झमाझम बारिश हुई। हालांकि, कुछ समय बाद ही धूप निकल गयी, जिससे दोबारा उमस और गर्मी का एहसास होने लगा। इस बीच मौसम विभाग ने बिहार के कई जिलों के लिए तेज आंधी, बारिश और वज्रपात को लेकर अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने बताया कि यह अलर्ट अगले कुछ घंटों तक प्रभावी रहेगा और खासकर उत्तर और दक्षिण बिहार के कई जिले इससे प्रभावित हो सकते हैं। पटना, गया, मुजफ्फरपुर, नालंदा, समस्तीपुर, दरभंगा, वैशाली, भागलपुर, और पूर्णिया समेत लगभग एक दर्जन जिलों में वज्रपात(आकाशीय बिजली) गिरने की संभावना है। प्रशासन ने लोगों से खुले स्थानों, खेतों, पेड़ों के नीचे या ऊंची इमारतों के पास नहीं रुकने की सलाह दी है। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने भी जनता से सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने की अपील की है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे खेतों में काम न करें और अपने मवेशियों को भी सुरक्षित स्थानों पर रखें।

पूर्णिया जिला अधिकारी अंशुल कुमार ने एयरपोर्ट के लिए हो रहे कामों का निरीक्षण किया

पूर्णिया, एजेंसी। नव पदस्थापित जिलाधिकारी अंशुल कुमार ने आज पूर्णिया एयरपोर्ट से संबंधित निर्माण कार्यों की प्रगति का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी अंशुल कुमार ने सभी अधिकारियों से यहां हो रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग पूर्णिया एवं संबंधित अधिकारियों को निदेश दिया कि पूर्णिया सिविल एनक्लेव को जाने वाली सभी सड़कों का निर्माण कार्य त्वरित गति से निर्धारित समय सीमा के अंदर पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

हथियारबंद अपराधियों ने ढाबा संचालक से की मारपीट, 55 हजार रुपये लूटे ; हथियार बरामद

बक्सर, एजेंसी। बक्सर के कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के एनएच-922 पर स्थित छोटका ढाकाइच गांव के पास गुरुवार और शुक्रवार की दरम्यानी रात हथियारबंद अपराधियों ने एक ढाबे पर धावा बोलकर सनसनी फैला दी। चार अपराधियों ने ढाबा संचालक से बेरहमी से मारपीट की, काउंटर का ताला तोड़कर 55 हजार रुपये नकद लूट लिए और फरार हो गए। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधियों ने बिजली मीटर को भी क्षतिग्रस्त कर दिया और जाते-जाते जान से मारने की धमकी दी, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल फैल गया। घायल ढाबा संचालक विकास प्रधान को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही कृष्णाब्रह्म थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। जांच के दौरान घटनास्थल से पिस्तौल का एक मैगज़ीन और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए, जिससे मामले की गंभीरता और भी बढ़ गई है। एनएच-922 पर रातभर वाहनों की आवाजाही रहती है और यहां कई ढाबे और होटल भी हैं, ऐसे में इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पीड़ित ढाबा संचालक के बयान पर पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोपियों में बड़का ढाकाइच गांव के निवासी सुधीर दुबे, नीरज दुबे, रितेश पांडे और कुख्यात रितिक दुबे उर्फ 'डेंजर दुबे' शामिल हैं। इनमें से एक आरोपी झारखंड का पेशेवर अपराधी बताया जा रहा है, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि घटना पूर्व नियोजित और संगठित तरीके से अंजाम दी गई। कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष महेश प्रसाद ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही सभी आरोपियों की गिरफ्तारी कर उन्हें सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। घटना के बाद से इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। लगातार हो रही आपराधिक घटनाओं से जिले की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

मोहिउद्दीनगर में एसटीएफ की छापेमारी, दोनों तरफ से हुई फायरिंग, 5 लोगों की गिरफ्तारी

समस्तीपुर, एजेंसी। पटना एसटीएफ व स्थानीय पुलिस ने संयुक्त रूप से शुक्रवार की अल सुबह थाना के सुलतानपुर दियारे में छापेमारी की। जहां से भारी मात्रा में अत्याधुनिक हथियार और जिंदा कारतूस बरामद किया गया। आठ घंटे से जारी छापेमारी में अबतक 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

ग्रामीणों को अपने अपने घरों मे कैद रहने का निर्देश पुलिस टीम ने दिया है। बताया गया कि छापेमारी करने पहुंची टीम पर फायरिंग की गई। जबाब में टीम ने भी फायरिंग की है। दोनों तरफ से हो रही फायरिंग के बाद में ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना है। लोग अपने घरों में ही दुबके रहे।

बताया गया कि गांव के सरोज सिंह उर्फ निमकी के यहां पुलिस की छापेमारी जारी है। गुप्त सूचना पर टीम कार्रवाई करने पहुंची थी। इसी दौरान घर से फायरिंग होनी शुरू हो गई। घटना के बाद में आसपास के कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। पूरे गांव को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया। लोगों के घरों से नहीं निकलने की अपील की गई। पुलिस टीम की तैनाती से पूरा इलाका पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है। कई घंटों से पुलिस टीम घर के भीतर छापेमारी कर रही।

सूत्र की मानें तो अब तक पुलिस को एके 56 और इंसास राइफल की बरामदगी हुई। हालांकि, पुलिस की तरफ से अब तक कोई जानकारी साझा नहीं की गई है। बताया गया कि घर को पूरी तरह से एसटीएफ ने अपने कब्जे में ले रखा है। मोबाइल से फोटो आदि लेने से भी पुलिस टीम सभी को रोक रही। गांव के भीतर किसी के भी प्रवेश पर रोक लगाई गई है।

मुख्य आरोपित सरोज उर्फ निमकी बिहार पुलिस का सहायक अवर निरीक्षक बताया गया है। एक वर्ष से वह निलंबित है। एएसआई पद पर रहते हुए उसके उपर आर्मी में नौकरी के नाम पर ठगी करने का आरोप भी लगा। बाद में उसे विभाग ने निलंबित कर दिया। उसकी छवि इलाके में एक दबंग के रूप में है। अपराधिक गतिविधियों में भी उसके शामिल रहने की चर्चा है।

निमकी के तीन चचेरे भाई को भी पुलिस टीम ने हिरासत में लिया है। उसकी मां मुन्नी देवी ने बताया कि उनके तीन पुत्र विश्वजीत सिंह, अभिषेक सिंह और चंद्रलेश सिंह को पुलिस टीम अपने साथ ले गई।

उन्होंने बताया कि अल सुबह वह सोकर उठी थी। तभी पुलिस की टीम पहुंची। मेरी बड़ी बहू ने गेट खोला। सभी पुलिस वाले घर में घुस गए। सीढ़ी से ऊपर के रास्ते पानी के टंकी से टूटा हुआ कुछ सामान मिला। बाद में मेरे तीनों बेटा को पुलिस पकड़ ली। उन्होंने बताया कि आज उनके पोता का जन्मदिन है। उनका छोटा बेटा चेन्नई में रहता है। पुलिस क्यों आई, यह पता नहीं है।

विवादों के बीच सामने आया तेज प्रताप का नया वीडियो

पटना, एजेंसी। ताजा विवाद के बीच तेज प्रताप यादव ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है। तेज प्रताप इस वीडियो में एक दफ्तर में एंट्री लेते नजर आ रहे हैं। उन्होंने वीडियो के साथ एक पोस्ट भी लिखा है। तेज प्रताप ने लिखा, हमारे सभी सपने सच हो सकते हैं; अगर हममें उन्हें पूरा करने का साहस हो। तेज प्रताप ने यह पोस्ट अंग्रेजी में किया है। बता दें कि बीते कुछ दिनों से तेज प्रताप लगातार चर्चा में बने हुए हैं। अनुष्का यादव के साथ कथित रूप से उनके रिलेशनशिप की बात सामने आने के बाद लालू ने बड़ा एक्शन लिया था। लालू ने तेज प्रताप को पार्टी और घर से बेदखल कर दिया। जिसके बाद तेज प्रताप का एक सोशल मीडिया पोस्ट खूब वायरल हुआ।

तेज प्रताप ने एक्स पर लिखा था, मेरे प्यारे मम्मी पापा.... मेरी सारी दुनिया बस आपदोनों में ही समाई है। भगवान से बढ़कर है आप और आपका दिया कोई भी आदेश। आप हैं तो सबकुछ है मेरे पास। मुझे सिर्फ आपका विश्वास और प्यार चाहिए ना कि कुछ और। पापा आप नहीं होते तो ना ये पार्टी होती और ना मेरे साथ राजनीति करने वाले कुछ जयचंद जैसे लालची लोग। बस मम्मी पापा आपदोनों स्वस्थ और खुश रहें हमेशा।

वहीं, कुछ दिनों बाद तेज प्रताप ने तेजस्वी को लेकर भी एक पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, मेरे अर्जुन से मुझे अलग करने का सपना देखने वालों, तुम कभी अपनी साजिशों में सफल नहीं हो सकोगे, कृष्ण की सेना तो तुम ले सकते हो, लेकिन खुद कृष्ण को नहीं।

तेज प्रताप ने आगे लिखा, मैं हर साजिश को जल्द बेनकाब करूंगा। बस मेरे भाई भरोषा रखना मैं हर परिस्थिति में तुम्हारे साथ हूं, फिलहाल दूर हूं, लेकिन मेरा आशीर्वाद हमेशा तुम्हारे साथ था और रहेगा। मेरे भाई मम्मी पापा का ख्याल रखना, जयचंद हर जगह है अंदर भी और बाहर भी।

बिहार की पहली पहल, कटहल-फूलगोभी, करेला और लौकी दुबई के लोग खाएंगे 10 सब्जियां

पटना, एजेंसी। सहकारिता मंत्री डा. प्रेम कुमार ने परीक्षण शिपमेंट की सब्जियों की पहली खेप बुधवार को दशरथ मांझी श्रम एवं नियोजन अध्ययन संस्थान परिसर से दुबई के लिए रवाना किया।

इसके बाद उन्होंने सूचना भवन के संवाद कक्ष में आयोजित पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार राज्य सब्जी प्रसंस्करण एवं विपणन फेडरेशन (वेजफेड) के सहयोग से परीक्षण शिपमेंट के तौर पर 1500 किलोग्राम सब्जियों की पहली खेप को दुबई (यूएई) के लिए रवाना किया गया है, जो बिहार के सहकारिता व कृषि क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक पहल है।

हर थाली में बिहारी तरकारी के मूल मंत्र के साथ बिहार में उत्पादित सब्जियां अब विदेशों तक पहुंचने को तैयार हैं। उन्होंने बताया कि आज जो पहली खेप दुबई के लिए रवाना की गई है उसमें कटहल, फूलगोभी, करेला, लौकी समेत 10 प्रकार की सब्जियां शामिल हैं।

हरित सब्जी संघ, पटना, तिरहुत सब्जी संघ, मोतिहारी, मिथिला सब्जी संघ, दरभंगा एवं मगध सब्जी संघ, गया के संयुक्त प्रयास से सब्जियों का पहला परीक्षण शिपमेंट दुबई के लिए भेजा गया है। इसे सड़क मार्ग से पटना से होकर वाराणसी हवाई अड्डा पहुंचाया जाएगा।

यह शिपमेंट फेयर एक्सपोटर्स लिमिटेड के माध्यम से दुबई का प्रतिष्ठित लुलु माल के लिए है, जो मध्य-पूर्व में एक जाना-माना नाम है। उन्होंने बताया कि यह भले ही एक परीक्षण शिपमेंट है, लेकिन यह राज्य के किसानों की मेहनत, लगन, राज्य के मिट्टी की उर्वरता और बिहार सरकार की दूरदर्शी सोच का प्रतीक है।

इस अवसर पर सहकारिता विभाग के सचिव धर्मेन्द्र कुमार, निबंधक, सहयोग समितियां, अंशुल अग्रवाल, वेजफेड के प्रबंध निदेशक प्रभात कुमार व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

टोल प्लाजा के पास टॉयलेट के दौरान करंट लगने से मुजफ्फरपुर के युवक की मौत, चार झुलसे

हाजीपुर, एजेंसी। हाजीपुर मुजफ्फरपुर एनएच 22 सराय थाना क्षेत्र के पटेढा टोल प्लाजा के निकट टॉयलेट जाने के दौरान दुकान के निकट बिजली के नंगे तार की चपेट में आने से मुजफ्फरपुर जिले के एक युवक की मौत हो गई। जबकि युवक को बचाने गए चार व्यक्ति बिजली के झटके से झुलस गए।

मौके पर अफरातफरी मच गई। सभी को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। डॉक्टर ने जांच के बाद मुजफ्फरपुर जिले के सकरा थाना क्षेत्र अंतर्गत सादुल्लापुर पिपरी निवासी विष्णु देव पासवान के पुत्र अवधेश पासवान को मृत घोषित कर दिया।

झुलसे लोगों की पहचान मुसहरी थाना क्षेत्र के नया गांव निवासी उपेंद्र पासवान के पुत्र सोहन पासवान एवं जय मती देवी के रूप में हुई है।

घटना के बाद मृतक के परिवार वालों का रोकर बुरा हाल है। घटना की जानकारी मिलते ही सराय थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई में जुट गई।

घटना के बाद स्थानीय दुकानदार दुकान बंद करके फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने दुकानदार पर लापरवाही का आरोप लगाया।

मिली जानकारी के अनुसार मुजफ्फरपुर जिले के मुसहरी थाना क्षेत्र के नयागांव से टेंपो एवं ई रिक्शा पर सवार होकर सभी हाजीपुर स्थित अखारा घाट मुंडन संस्कार में शामिल होने के लिए आ रहा था।

इसी दौरान टोल प्लाजा के निकट सभी लोग गाड़ी से उतर गए। इस दौरान एक युवक दुकान से पानी खरीदकर पीने के बाद टॉयलेट के लिए दुकान के पीछे गया था। इस बीच करंट लगने से वह बुरी तरह झुलस गया।

सदर अस्पताल इलाज के लिए लाया गया। डॉक्टर ने जांच के बाद मृत्यु घोषित कर दिया। मृतक के ससुर ने बताया कि वह अपने परिवार एवं आसपास के लोगों के साथ हाजीपुर मुंडन के लिए आ रहा था। इसी दौरान टोल प्लाजा के निकट गुमटी के पीछे करंट लगने से उसके दामाद की मौत हो गई।

इस संबंध में सराय थाना अध्यक्ष मणि भूषण कुमार ने बताया कि टोल प्लाजा के निकट करंट लगने की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया।

एक युवक की मौत हो गई। सभी मुजफ्फरपुर जिले से हाजीपुर मुंडन संस्कार में शामिल होने के लिए जा रहे थे। इस मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

मंडप में दूल्हा कर रहा था अजीबोगरीब हरकत, गुस्से में दुल्हन ने ले लिया सबको चौंकाने वाला फैसला

करपी (अरवल), एजेंसी। कहते हैं जोड़ियां भगवान बनाता है, इंसान चाहे लाख जतन कर ले, जोड़ी वही बनेगी जो भगवान चाहेंगे। जिले में ऐसा ही एक मामला सामने आया है। दूल्हा बरात लेकर पहुंचता है। मंडप में शादी की सभी रस्म पूरी होती है।

भगवान को साक्षी मानकर दूल्हा दुल्हन की मांग में सिंदूर भरता है, इसके बावजूद बरात बैरंग लौट जाती है। मंडप पर जोड़ी टूट भी जाती है। यह मामला करपी प्रखंड का है, जहां के एक गांव में वंशी प्रखंड के एक गांव से बरात आई थी।

पूरे विधि विधान से शादी की रस्म पूरी की जा रही थी। हिंदू रीति रिवाज से सारी रस्में पूरी किए जाने के पश्चात मंत्रोच्चारण के बीच लड़का ने लड़की की मांग में सिंदूर भरा। सिंदूर डालने के बाद अक्षत छींटने की प्रक्रिया चल ही रही थी।

इसी बीच दूल्हा थाली से पूरा अक्षत हाथों में लेकर इधर-उधर फेंकने लगा। अजीबोगरीब हरकत देख लड़की पक्ष वाले सोच में पड़ गए। लड़की के पिता ने गहराई से छानबीन की तो लड़का के नशेड़ी होने का पता चला।

लड़का ब्राउन शुगर का आदी था, नशा उतरते ही बेचैनी में वह अजीबोगरीब हरकत कर रहा था। इसका पता लगते ही दुल्हन व उसके पिता ने इस शादी को मानने से इनकार कर दिया। मंडप पर ही शादी टूट गई और बरात बैरंग वापस लौट गई।

बता दें कि जिले में ब्राउन शुगर स्मैक जैसे मादक पदार्थों का सेवन करने वाले युवाओं की संख्या तेजी बढ़ रही है। छापेमारी में कई बार पुलिस ने स्मैक बरामद की है। पर इसका सरगना हाथ नहीं आ रहा।

दो जून को ही सदर थाने की पुलिस ने अरवल सिपाह मल्लाह टोली स्थित एक घर से 25.02 ग्राम स्मैक बरामद किया था। मामले में मां व बेटा चंदन कुमार व देवंती देवी को गिरफ्तार किया था।

स्मार्ट मीटर को लेकर जारी हुआ सख्त आदेश, अगर ये काम नहीं किया तो कट सकती है आपकी बिजली

पटना, एजेंसी। बिहार में तकनीकी विकास की रफ्तार भागलपुर में ठिठक गई है. दक्षिण बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूटर कंपनी लिमिटेड की स्मार्ट मीटर योजना जहां एक ओर पारदर्शिता और सटीक बिलिंग की दिशा में बड़ा कदम है, वहीं दूसरी ओर यह भागलपुर में लगातार विरोध और अव्यवस्था के कारण अधर में अटकी हुई है. दो वर्षों से भी अधिक समय बीत जाने के बाद भी 44 हजार मीटर अब तक लगाए नहीं जा सके हैं.

नाथनगर, चंपानगर, मिरजानहाट और बरहपुरा जैसे क्षेत्रों में बिजली विभाग के कर्मचारियों को खुलेआम विरोध का सामना करना पड़ रहा है. बरहपुरा में तो हालात इतने बिगड़े कि मीटर लगाने पहुंचे कर्मियों को न सिर्फ खदेड़ दिया गया, बल्कि उनके साथ मारपीट की घटना भी हुई. जिला प्रशासन के हस्तक्षेप और पुलिस सुरक्षा के बाद ही काम आंशिक रूप से आगे बढ़ पाया.

रेवेन्यू ऑफिसर अभय कुमार ने स्वीकार किया कि जनता के मन में स्मार्ट मीटर को लेकर अभी भी शंका है. उन्होंने बताया कि कई घरों में मालिक मौजूद नहीं हैं, ताले लगे हैं या लोग जानबूझकर मीटर लगाने से बच रहे हैं. हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिन उपभोक्ताओं के यहां मीटर नहीं लगेगा, उनका कनेक्शन काट दिया जाएगा। तिलकामांझी जैसे क्षेत्रों में काम लगभग पूरा हो चुका है.

परियोजना में एक और गंभीर संकट सामने आया जब मीटर लगाने के नाम पर कुछ लोगों ने उपकरणों के साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी. जीनस प्राइवेट लिमिटेड के प्रोजेक्ट मैनेजर विकास सिंह ने बताया कि कुछ कर्मचारियों द्वारा तार चोरी और मीटर में गड़बड़ी करने की घटनाएं पकड़ी गई हैं. तीन लोगों के खिलाफ स्न्नढ्ढक्रदर्ज कर उन्हें जेल भेजने की प्रक्रिया भी अपनाई गई है.

हालात के बावजूद कंपनी की ओर से दावा किया जा रहा है कि स्टॉक में लगातार एक लाख मीटर उपलब्ध हैं. नाथनगर, चंपानगर और अन्य क्षेत्रों में टीम लगातार प्रयासरत है. अधिकारियों का मानना है कि लोगों को समझाकर, सुरक्षा व्यवस्था के साथ, धीरे-धीरे यह योजना पूरी की जाएगी.

सामूहिक दुष्कर्म का शिकार होने से बची किशोरी, एक आरोपी गिरफ्तार

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा जिले के बेंता थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े एक 16 वर्षीय किशोरी के अपहरण और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म करने की कोशिश का मामला सामने आया है। चार युवकों ने किशोरी को जबरन बाइक पर बैठाकर सुनसान बागीचे में ले गए, लेकिन समय रहते पुलिस की सक्रियता और ग्रामीणों की सतर्कता के कारण किशोरी बड़ी वारदात का शिकार होने से बच गई। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए धीरू पासवान नामक युवक को गिरफ्तार किया है, जो किशोरी को बाइक पर लेकर गया था। बाकी तीन की तलाश में छापेमारी की जा रही है। पीड़ित लड़की की मां ने बताया कि मुहल्ले में नशेबाज लड़के रहते हैं। कुछ लड़के मेरी बेटी को पहले से परेशान किया करते हैं। बेटी का किसी से कोई प्रेम प्रसंग की बात होने से भी इंकार किया गया है। उन्होंने कहा कि मेरी बेटी जब अस्पताल से लौट रही थी, इस दौरान धीरू पासवान ,बबलू पासवान, गुड्डू पासवान सहित एक अन्य लड़कों ने चाकू का भय दिखाकर बाइक पर बैठाकर फरार हो गए। सुनसान जगह पर उसके साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की गई, जहां विरोध करने पर लड़की के साथ मारपीट की गई है। वहीं लड़की ने बताया कि ग्रामीणों की सर्तकता और पुलिस की तेज कार्रवाई के कारण उसके साथ गलत काम करने में आरोपी सफल नहीं हो सके।

बिहार रेजीमेंट ने देश को सौंपे 547 अग्निवीर, योग्यता और शौर्य दिखाने को तैयार

दानापुर (पटना), एजेंसी। बिहार रेजीमेंट के उदय सिंह गौड़ ड्रिल मैदान में गुरुवार को दीक्षा समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें 547 युवा और साहसी अग्निवीर देश को सौंपे गए। अग्निपथ योजना के तहत चुने गए जवानों का यह यह पांचवां बैच था। पासिंग आउट परेड में उनका समन्वय व अनुशासन देखते बन रहा था।

अग्निवीरों के चेहरों पर गर्व और आत्मविश्वास की स्पष्ट अभिव्यक्ति इस बात का स्पष्ट प्रमाण थी कि राष्ट्र सुरक्षित हाथों में है। इन जवानों ने 31 सप्ताह का कठोर प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है। पासिंग आउट परेड के अंतिम पग के बाद अग्निवीरो ने राष्ट्रध्वज तिरंगे के समक्ष पवित्र ग्रंथ गीता, कुरान, गुरु ग्रंथ साहिब और बाइबिल पर हाथ रखकर हर कीमत पर राष्ट्र की रक्षा करने की शपथ ली। अब बिहार रेजिमेंट के ये अग्निवीर अपनी योग्यता व शौर्य सिद्ध करने के लिए अपनी अपनी यूनिटों में तैनात होने को पूरी तरह तैयार हैं। बिहार रेजिमेंटल सेंटर के समादेष्टा ब्रिगेडियर केडी जसपाल ने परेड का निरीक्षण किया। उन्होंने अग्निवीरों को बेहद कठिन प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद उच्च मानक हासिल करने के लिए बधाई दी।

उन्होंने कहा कि आपको देश सेवा का अवसर मिला है। हमारे सैनिकों ने हर क्षेत्र में अपनी वीरता दिखाई है। हर चुनौती का पार करते हुए आगे बढ़ना है। समीक्षा अधिकारी ने नवोदित सैनिकों का आह्वान किया कि वे तिरंगे के प्रति अपनी प्रतिज्ञा को हमेशा याद रखें और मातृभूमि की सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ें। प्रशिक्षण के दौरान बेस्ट फायरिंग के लिए अग्निवीर ध्रुव राजेश्वर दिलीप, बेस्ट पीटी के लिए अग्निवीर रामचंद्र जोजो, बेस्ट ड्रिल के लिए प्रेमकांत विश्वकर्मा और बेस्ट अग्निवीर बैच शुभम तिवारी को मेडल देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही ब्रिगेडियर के डी जसपाल ने अग्निवीरों के गौरवान्वित माता-पिता को भी गौरव पदक से सम्मानित किया। परेड ग्राउंड में अपने बच्चों को पूरी ड्रेस में सुसज्जित देख उनकी खुशी देखते बन रही थी। परेड के दौरान भावातिरेक में कई अग्निवीरों के पिता या उनके भाई खड़े होकर सैल्यूट करते दिखे। अग्निवीर सूरज के पिता ने कहा कि सोचे नहीं थे कि मेरा बेटा देशसेवा में जाएगा। कई बार के प्रयास के बाद सफलता मिली।

संक्षिप्त समाचार

वृद्धजन आश्रय स्थल का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

बीएनएम। मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा वृद्धजन आश्रय स्थल, बड़ा बरियारपुर का निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण में उनके साथ नगर आयुक्त सौरभ सुमन यादव भी उपस्थित थे। निरीक्षण के क्रम में वृद्धजनों से उनके कुशल क्षेम पूछते हुए उनसे सुझाव भी मांगा गया। जिस पर जिलाधिकारी द्वारा यह निर्देश दिया गया कि आश्रय स्थल से रसोई तक जाने हेतु शेड तथा रैंप बनवाया जाए। उन्होंने एक अतिरिक्त शौचालय का निर्माण कराने का निर्देश दिया गया। सभी कार्यरत कर्मियों को यह निर्देश दिया गया की वह वृद्ध जनों के सभी आवश्यक सुविधाएं तथा जरूरतो को ध्यान में रखते हुए तत्काल कार्रवाई करें ताकि किसी भी वृद्ध जन को असुविधा ना हो। इस कार्रवाई इस निरीक्षण के क्रम में नगर प्रबंधक तथा आश्रय स्थल के लेखपाल और अन्य कर्मचारी भी उपस्थित थे।

जनता के दरबार में जिला प्रशासन कार्यक्रम अंतर्गत कुल 53 आवेदन प्राप्त हुए

बीएनएम। मोतिहारी। शुक्रवार को शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम जनता के दरबार में जिला प्रशासन द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 53 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पदाधिकारी के द्वारा सुनवाई की गई। उक्त प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी श्री जोरवाल ने कहा कि आज जो आवेदन प्राप्त हुए है उस पर संबंधित पदाधिकारी के स्तर से करवाई कराते हुए शीघ्र ही समस्या का विधिसम्मत निदान सुनिश्चित किया जाएगा। इसमें भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद, राजस्व विभाग से संबंधित अधिकांश आवेदन प्राप्त हुए जिसके शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश के साथ भेज देने का निर्देश प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। जनता के दरबार कार्यक्रम में जिलाधिकारी के साथ अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा, जिला पंचायत राज पदाधिकारी राम जन्म पासवान, वरीय उप समाहर्ता अमरेश कुमार, यशवंत कुमार, मंगला कुमारी, निधि कुमारी सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारियों ने जनता दरबार में आए लोगों से मिलकर उनकी शिकायतों का समाधान किया।

बैठक में बकरीद पर्व को आपसी सौहार्द के साथ मनाने की अपील

बीएनएम : केसरिया। बकरीद पर्व को लेकर शनिवार को केसरिया थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, प्रबुद्धजन, सामाजिक कार्यकर्ता व दोनों समुदाय के लोग शामिल हुए। प्रखण्ड विकास पदाधिकारी कुमुद कुमार ने कहा कि पर्व के दौरान कोई व्यक्ति ऐसा नहीं करे जिससे किसी की भावना आहत हो। आपसी सौहार्द के साथ बकरीद पर्व मनायें। पर्व के दौरान कोई व्यक्ति समाज में भ्रम व अशांति फैलाने की कोशिश करता है तो इसकी सूचना प्रशासन को तुरंत दें। ऐसे लोगों पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र के चिन्हित जगहों पर विशेष नजर रखी जायेगी। वहीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए थानाध्यक्ष उदय कुमार ने कहा कि पर्व के सफल आयोजन में पुलिस प्रशासन हर सम्भव मदद को तैयार है। मौके पर कम्युनिस्ट पार्टी के नेता नेजाम खान, प्रखण्ड बीस सूत्री के अध्यक्ष मो इशाक आजाद, जदयू नेता संजय किशोर तिवारी, भाजपा नेता शम्भू महतो, सुजीत कुमार सिंह, वसील अहमद खान, पूर्व मुखिया हरिशंकर पासवान, दिलीप कुशवाहा, साजिद खान सहित अन्य मौजूद थे।

मौर्या रेडीमेड मैन्युफैक्चरिंग इकाई का विधायक ने किया उद्घाटन

बीएनएम : केसरिया। खिजिरपुरा में गुरुवार को मुख्यमंत्री उद्यमी योजनांतर्गत चयनित मौर्या रेडीमेड नामक मैन्युफैक्चरिंग इकाई का भव्य शुभारंभ किया गया। जिसका उद्घाटन केसरिया विधायक शालिनी मिश्रा ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है। लोगों को स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। इसमें महिलाएं भी कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रही है। इसी का नतीजा है कि अब ग्रामीण क्षेत्र में भी मैन्युफैक्चरिंग इकाई संचालित हो रही है। लोगों को रोजगार मिल रहा है। महिलाएं सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर महिला सशक्तिकरण को और आगे बढ़ा रही हैं। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान मौर्या रेडीमेड की संचालिका गुड़िया कुमारी के द्वारा आगत अतिथियों का स्वागत किया गया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री उद्यमी योजना अंतर्गत मौर्या रेडीमेड का चयन हुआ है। इस मैन्युफैक्चरिंग इकाई में विभिन्न प्रकार के कपड़ा को तैयार किया जाएगा। उद्घाटन के अवसर पर सुबोध कुमार, संजय किशोर तिवारी, बृजेश कुमार, अशोक कुमार गुप्ता, मोहम्मद असलम चंदन कुमार संगति देवी, नीतू कुमारी सहित अन्य मौजूद थे।

जन सुराज पार्टी ने निकाला कैंडल मार्च

बीएनएम। मोतिहारी। पड़ोसी जिला मुजफ्फरपुर के कुढ़नी में दलित नाबालिक बालिका के साथ बलात्कार एवं हत्या के बाद हुई मौत के विरोध में जन सुराज पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार की संध्या में शहर के चरखा पार्क से लेकर नगर थाना, मोतिझील होते हुए मीना बाजार गांधी चौंक तक कैंडल मार्च निकाल कर बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री हाय-हाय, नीतीश कुमार इस्तीफा दो, जैसे- विभिन्न नारों के साथ जमकर विरोध प्रदर्शन कर सरकार को घेरने का काम किया। आरोप लगाया कि स्वास्थ्य विभाग के निकम्मी रवैया के कारण ही इस बच्ची की मौत की मुख्य वजह है। इसके लिए सरकार के मंत्री को इस्तीफा दे चाहिए। इनलोगों ने कहा कि बिहार सरकार के मुख्यमंत्री का मस्तिक खराब चल रहा है। इस कैंडल मार्च में जिलाध्यक्ष राधेश्याम यादव, जिला महासचिव पप्पू मिश्रा, जिला मुख्य प्रवक्ता अभय कुमार, कार्यालय प्रभारी अरुण कुमार तिवारी, महिला जिला अध्यक्ष शीला देवी, रविश मिश्रा, नगर अध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता, नगर प्रवक्ता अनिल वर्मा, नगर महिला अध्यक्ष ऋतु रंजन, राज्य कोर कमिटी सदस्य कुसुम देवी, विभा शर्मा, रीना राय, उषा देवी, रानी पाठक, रजिया खातून, पूर्णिमा भारती, कौशल्या देवी, विजय कुशवाहा, मंतोष सहनी, लालधारी प्र. महतो, श्याम सहनी, डॉ. सीबी तिवारी, वरुण मिश्रा, मनोज सिंह, डॉ. रामबलि पासवान, तैयब अंसारी सहित अन्य जन सुराज पार्टी के कार्यकर्ता शामिल रहे।

गांधी स्मारक : चिंता है- गोडसे के गोद मे गांधी की चीखों की !

सागर सूरज

> सवाल ये है कि उपाध्यक्ष और सचिव द्वारा बनाई गई कथित कार्यकारिणी सूची पर बेदाग चेहरे वाले पत्रकार चंद्रभूषण पांडे के हस्ताक्षर है या नहीं है ? क्या इनकी जानकारी में उपाध्यक्ष के एक और पद सृजित किये गए ? ये सारे सवाल अनुतरित है। इस विवादास्पद कार्यकारिणी में जहां गांधीवाद सिसकियाँ लेती दिख रही है, तो वही भगवा मे लिपटी गोडसे वादी संस्कृति के आसुरी अट्टहास से शहर के गांधीवादी विचारधारा के लोग कही कोने में दुबके दिख रहे है।

चंपारण महात्मा गांधी के सत्य एवं अहिंसा की प्रयोग भूमि रही है। इसी प्रयोगशाला मे गांधी ने पहली बार अंग्रेजों के विरुद् अपनी आवाज बुलंद करने का काम किया था। गांधी स्मारक एवं संग्रहालय इस बात को याद दिलाता है कि ये वही भूमि है, जहां 1917 मे अंग्रेजी हुकूमत की एक न्यायालय के एक मैजिस्ट्रैट को गांधी के सत्य एवं अहिंसा के सामने नतमस्तक होना पड़ा था।

धारा 144 के उल्लंघन के आरोप मे गिरफ्तार महात्मा गांधी ने इसी जगह पर कोर्ट मे अपना एतिहासिक बयान दर्ज करने के बाद 'बॉन्ड' भरने से इनकार किया, फिर अग्रेज मैजिस्ट्रैट द्वारा बिना बॉन्ड भरवाए गांधी को छोड़ने की घटना को तब अंग्रेजों के विरुद्ध देश की पहली जीत के रूप मे देखा गया।

इस घटना के 108 वर्षों बीत गए, परिस्थितियाँ बदलती गई, गांधी और उसके सिद्धांतों के मायने भी बदलते गए। गत दिनों पूर्वी चंपारण जिलाधिकारी के अध्यक्षता मे हुई बैठक के बाद गांधी स्मारक और संग्रहालय की एक कार्यकारिणी के गठन की खबर समाचार पत्रों मे आई, फिर क्या था कार्यकारिणी में शामिल लोगों और गठन के तरीकों को लेकर विरोध शुरू हो गया। बैठकों के दौर भी शुरू हो गए। लोगों का मानना है कि कार्यकारिणी में रंगदारी, हत्या के प्रयास और रेप के प्रयास के आरोपियों को भी शामिल किया गया है। जो गांधीवाद पर ही हमला है।

अगर तीन चार लोगों को छोड़ दी जाए, तो इस कार्यकारिणी मे सभी भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता और नेता शामिल है, इसमे कुछ सच्चे चेहरे है, तो वही ज्यादातर सवालीय चेहरों के कारण यह कार्यकारिणी जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल सहित स्थानीय भाजपा के एक बड़े नेता को कठघड़े मे खड़े करता है। सोशल मीडिया पर विरोध का पोस्ट और उस पर कमेंट्स और शेयर के बौछार है। चिंता है- गोडसे के गोद मे गांधी की चीखो की।

आखिर ऐसा क्या है, कि पहली बार इस स्मारक और संग्रहालय समिति से जुड़े लोगों पर सवाल खड़े होने लगे है। विरोध का यह आलम पहली बार देखने को मिल रहा है, जबकि इस जिले मे गांधी और उनके विचारों की काभी कद्र रही है। खादी और गाँधीवादियों को सम्मान की नजरों से देखा जाता रहा है। समझा जाता है कि गांधी के याद मे बने स्मारक के रक्षकों के माध्यम से गांधी के आचार और विचारों का प्रचार-प्रसार होगा।

लेकिन कई बार जेल गए, संगीन अपराधों के आरोपी, आधा दर्जन से अधिक मामलों के चार्जसीटेड और एक दर्जन से अधिक मामलों के आरोपी लोग अब गांधी के सत्य एवं अहिंसा का पाठ पढ़ाएगे। जिसको लेकर गाँधीवादियों मे आक्रोश पनपने लगा रहा है। सक्रिय राजनीति मे शामिल रहते गांधी के विचारों को आत्मसात करना हमेशा संदेह के काले बादलों के बीच घिरा रहा है। राजनीति कल, बल और छल से पनपी एक बदनाम विचारधारा है, तो वही गांधीवाद त्याग, करुणा और दया की प्रतिमूर्ति है।

जिलाधिकारी की पहली बैठक मे ही भाजपा की तैयारी समझ मे आ चुकी थी, वे अपना उपाध्यक्ष और सचिव बनाना चाहते थे, जो जिले के एक बड़े भाजपा नेता के कठपुतली के रूप मे कार्य कर सके, विकास के नाम पर आए राशि के बंदर बांट मे कोई व्यवधान उत्पन्न नहीं कर सके, लेकिन कुछ समय के लिए भाजपा के इस प्लान पर पानी फिरता तब नजर आया, जब वरीय पत्रकार, गांधीवादी चंद्रभूषण पांडे को जिलाधिकारी द्वारा उपाध्यक्ष का पद बिना किसी दावा के ही थमा दिया गया और अध्यक्ष यानि खुद जिलाधिकारी के शक्ति को उपाध्यक्ष मे डेलिगट कर दिया गया और सचिव एवं उपाध्यक्ष को पाँच- पाँच नाम देकर कार्यकारिणी के गठन की बात कह दी गई।

लेकिन जब जिलाधिकारी के माध्यम से कार्यकारिणी की पत्र जारी की गई तो उसमे एक और उपाध्यक्ष का पद और कुछ बदनाम चेहरों को देखने के बाद लोग आश्चर्य मे पड़ गए। दूसरा उपाध्यक्ष और कोई नहीं भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष है, जो गत नगर निगम चुनाव मे महापौर पद के प्रत्याशी थे। गाँधीवादी पूछ रहे है, क्या सक्रिय राजनीति करने वाले गांधी के विचारों को आत्मसात कर सकते है, क्या जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल भाजपा नेताओं के प्रभाव मे है या फिर उनसे इन बातों को छुपा कर रखा गया है।

अब सवाल ये है कि उपाध्यक्ष और सचिव द्वारा बनाई गई कथित कार्यकारिणी सूची पर बेदाग चेहरे वाले पत्रकार चंद्रभूषण पांडे के हस्ताक्षर है या नहीं है। क्या इनकी जानकारी में उपाध्यक्ष के एक और पद सृजित किये गए ? ये सारे सवाल अनुतरित है। इस विवादास्पद कार्यकारिणी में जहां गांधीवाद सिसकियाँ लेती दिख रही है, तो वही भगवा मे लिपटी गोडसे वादी संस्कृति के आसुरी अट्टहास से शहर के गांधीवादी विचारधारा के लोग शर्म से लाल होते दिख रहे है।

स्कॉर्पियो की ठोकर से दस साल के बच्चे की मौत

बीएनएम। मोतिहारी

पूर्वी चंपारण । जिले के शिकारगंज थाना क्षेत्र में नव निर्मित भारतमाला सड़क पर शिकारगंज और कठमलिया के बीच एच पी पेट्रोल पंप के समीप शुक्रवार की सुबह एक तेज रफ्तार स्कार्पियो की ठोकर से 10 वर्षीय एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक चिरैया प्रखंड के सिरौना पंचायत के वार्ड संख्या सात निवासी मो. महबूब आलम के पुत्र मो. दिलशान है। स्कार्पियो पकड़ीदयाल से ढाका की ओर जा रही थी। गाड़ी पर सवार सभी लोग बारात करके पटना से वापस घोड़ासहन लौट रहे थे। मृतक बालक सड़क किनारे खड़ा था। इसी दौरान स्कार्पियो के ड्राइवर को झपकी आ गई, जिससे उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे खड़े बालक दिलशान को रौंदते हुए सड़क से नीचे गड्ढे में जा गिरा। इस बीच गाड़ी पर सवार सभी लोग ड्राइवर को छोड़कर फरार हो गए। जिसके बाद मृतक के परिजन एवं ग्रामीणों ने मुख्य मार्ग को जाम कर स्कार्पियो के ड्राइवर को बंधक बना लिया और उसे एक घर में बंद कर दिया। घटना की सूचना पर मौके पर शिकारगंज थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बंधक बने ड्राइवर को ग्रामीणों के चंगुल से मुक्त कराया और भारी मशक्कत के बाद सड़क जाम किये लोगों को समझा कर स्थिति को समान्य कराया। अधिकारियो ने मृतक के परिजन को जल्द सरकारी सहायता राशि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया। सड़क जाम के कारण लगभग एक घंटे तक सड़क के दोनों ओर गाड़ियों का लम्बा काफिला लगा रहा। शिकारगंज थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल मोतिहारी भेज दिया गया है। घटना के बाद मृतक के परिजनो में कोहराम मचा है।मृतक दिलशान की चार बहने है तथा वह छह भाईयो में सबसे छोटा था। घटना के लिए जिम्मेवार क्षतिग्रस्त स्कोर्पियो को शिकारगंज थाना की पुलिस ने जब्त कर थाने ले आई है। उक्त स्कोर्पियो घोड़ासहन थाना क्षेत्र के अमवा टोनवा गांव की बताई जा रही है।

एमजीसीयू को सौंपा गया गांधी संग्रहालय परिसर के पार्क के विकास का दायित्व

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी की ऐतिहासिक कर्मभूमि मोतिहारी में स्थित गांधी संग्रहालय परिसर को अब एक स्वच्छ, हरित और पर्यावरणीय दृष्टि से समृद्ध स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिला प्रशासन ने महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू), मोतिहारी को इस ऐतिहासिक परिसर स्थित पार्क के संरक्षण और सौंदर्यीकरण का दायित्व सौंपा है। यह कार्य कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) गतिविधियों के तहत संपन्न होगा। विश्वविद्यालय के CSR प्रकोष्ठ द्वारा तैयार की गई विस्तृत कार्य योजना को जिला प्रशासन ने स्वीकृति प्रदान की है। जिलाधिकारी एवं गांधी संग्रहालय कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष श्री सौरभ जोरवाल ने इस प्रस्ताव को अनुमोदित करते हुए विश्वविद्यालय को कार्य आरंभ करने की अनुमति दी है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने गांधी संग्रहालय परिसर का स्थल निरीक्षण किया। उनके साथ मानविकी एवं भाषा संकाय के अधिष्ठाता प्रो. प्रसून दत्त, CSR प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. सपना सुगंधा और डॉ. श्याम नन्दन भी उपस्थित थे। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि "गांधी संग्रहालय परिसर एक ऐतिहासिक धरोहर है। इसका संरक्षण केवल हमारी सामाजिक जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि एक शैक्षणिक प्रेरणा का स्रोत भी है। CSR के माध्यम से हम इस स्थल को ऐसा रूप देंगे, जहाँ प्रकृति, इतिहास और शिक्षा का सुंदर समागम हो। हमारा प्रयास होगा कि यह पार्क सभी आयु वर्गों के लिए उपयोगी, प्रेरक और आकर्षक बने।" डॉ. सपना सुगंधा ने बताया कि पार्क के विकास की योजना में हरियाली बढ़ाने, पथ निर्माण, प्रकाश व्यवस्था, बैठने की सुविधाएं, बच्चों के खेल उपकरण और अन्य सौंदर्यीकरण कार्यों को शामिल किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्य में सामाजिक संगठनों और अन्य संस्थाओं की सहभागिता को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। यह पहल न केवल गांधी संग्रहालय परिसर को एक जीवंत और उपयोगी स्थल बनाएगी, बल्कि स्थानीय नागरिकों, पर्यटकों और विद्यार्थियों के लिए भी एक आकर्षक और उपयोगी सार्वजनिक स्थल उपलब्ध कराएगी। इसके साथ ही यह कदम विश्वविद्यालय की सामाजिक प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है।

शांति एवं सौहाद्रपूर्ण वातावरण में मनाएं बकरीद

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में शांति एवम सौहाद्रपूर्ण वातावरण में बकरीद पर्व मनाने एवं इस अवसर पर विधि-व्यवस्था के संधारण को लेकर डीएम-एसपी ने अपने संयुक्त आदेश के तहत सभी महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील 461 स्थानों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की है। सभी प्रखंडों के बीडीओ,सीओ एवम थानाध्यक्ष लगातार सभी महत्वपूर्ण एवम संवेदनशील स्थानो पर भ्रमणशील रहकर विधिव्यवस्था पर रखेंगे कड़ी नजर जिला साइबर सेल की टीम 24 घंटे सक्रिय रहकर सोशल मीडिया पर रखेगी कड़ी नजर, असामाजिक एवम उपद्रवी तत्वों के विरुद्ध त्वरित करवाई का दिया गया है निर्देश, जिला नियंत्रण कक्ष से भी पल-पल की गतिविधियों पर रखी जाएगी कड़ी नजर, जिले में बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण, सौहाद्रपूर्ण एवम भाईचारे के वातावरण में मनाने को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सभी प्रकार की आवश्यक तैयारी की गई है। इस अवसर पर विधि-व्यवस्था संधारण को लेकर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त आदेश जारी किया गया है। जिसके तहत जिले के 461 स्थानों पर दंडाधिकारी एवम पुलिस पदाधिकारी के साथ साथ काफी संख्या में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। डीएम ने सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को ससमय प्रतिनियुक्ति स्थल पर पहुंच कर अपने दायित्व का निर्वहन करने का निर्देश दिया है। डीएम के द्वारा असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने एवं अफवाह फैलाने वालों पर कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। पुलिस अधीक्षक के द्वारा बताया गया है कि सादे लिबास में भी पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे जो शरारती तत्वों पर नजर रखेंगे। विधि-व्यवस्था संधारण को लेकर वरीय अधिकारियों को जबाबदेही दी गई है,जो सीधे पल-पल की गतिविधियों से जिलाधिकारी को अवगत कराएंगे। सभी प्रखंडों के बीडीओ, सीओ एवम थानाध्यक्ष को निर्देश दिया गया है कि आपस मे समन्वय बनाकर लगातार सभी संवेदनशील एवम महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण कर स्थिति पर कड़ी नजर रखेंगे। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने जिलेवासियों से आपसी भाईचारे के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में बकरीद का त्योहार मनाने की अपील की है।इस अवसर पर जिला नियंत्रण कक्ष तीन पालियों में लगातार 24 घण्टे कार्यरत रहेगा। जिला नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नंबर 06252- 242418 है। जिला नियंत्रण कक्ष का प्रभारी पदाधिकारी- जिला कल्याण पदाधिकारी मो. 790315 3523 को बनाया गया है। इसके अतिरिक्त जिला के सभी छः अनुमंडल में भी नियंत्रण कक्ष बनाए गए हैं, जहां से सभी गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाएगी।

तुरकौलिया। बकरीद पर्व(ईद उल अजहा) को लेकर थाना परिसर में थानाध्यक्ष सुनील कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को शांति समिति की बैठक हुई। जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, बुद्धिजीवी व गणमान्य लोग मौजूद थे। बैठक को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष ने कहा कि सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मनाना है। बकरीद खुशियों का त्यौहार है। इसमें किसी प्रकार का खलल पैदा न हो। इसके लिए सभी को सहयोग करना होगा। सरकार द्वारा जारी गाइडलाइंस का पालन करते हुए त्योहार मनाया जाएगा। धार्मिक स्थलों पर किसी प्रकार का भीड़ नहीं लगाना है। पर्व के दौरान असामाजिक तत्वों पर प्रशासन पुरी तरह नजर रखेगी। ईदगाह और मस्जिद के रुट में पुलिस गश्ती पर रहेगी । प्रशासनिक तैयारी पुरी कर ली गई है। जनप्रतिनिधियों व बुद्धिजीवियों से अपील करते हुए कहा कि किसी तरह की सूचना मिलने पर तुरंत स्थानीय प्रशासन के साथ शेयर करें। ताकि शांतिपूर्ण माहौल में पर्व संपन्न हो सकें। मौके पर एसआई सुबोध कुमार, मुखिया रामजन्म पासवान, सरपंच मनोज गुप्ता, पूर्व मुखिया अवधकिशोर सिंह, मुन्ना दुबे, कमरूजम्मा, पूर्व सरपंच असगर आलम, बद्री पासवान, मुन्ना कुमार राम, डॉ0 विनोद कुमार सिंह, रसूल अंसारी आदि मौजूद थे।

आर्केस्ट्रा में हथियार लहराने वाला युवक गिरफ्तार,देसी कट्टा बरामद

बीएनएम। मोतिहारी

पूर्वी चंपारण । जिला के हरपुर थाना पुलिस ने आर्केस्ट्रा में हथियार लहराने के वायरल वीडियो के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। साथ ही उसके पास से एक देशी कट्टा भी बरामद किया है। गिरफ्तार युवक नाबालिग चिकनी गांव निवासी मौसम कुमार है। शुक्रवार को इसकी जानकारी देते हरपुर थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि आर्केस्ट्रा के दौरान देशी कट्टा के साथ उक्त युवक का एक वीडियो वायरल हुआ था,जिसके बाद इसकी तलाश की जा रही थी। पकड़े गये आरोपित के विरूद्ध आवश्यक कार्रवाई करते हुए न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

कांग्रेस पार्टी द्वारा गोविन्दगंज विधानसभा के पहाड़पुर प्रखंड में संगठनात्मक समीक्षा बैठक आयोजित

बीएनएम। मोतिहारी

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कांग्रेस पार्टी की एक अहम बैठक का आयोजन शुक्रवार को जिला के गोविन्दगंज विधानसभा अंतर्गत पहाड़पुर प्रखंड में किया गया। उक्त बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष ई. शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय ने की। इस समीक्षा बैठक में बूथ, पंचायत एवं प्रखंड स्तर की कमेटियों की सक्रियता, संगठनात्मक मजबूती और जनसंपर्क अभियान की रणनीतियों पर गहन चर्चा की गई। इस अवसर पर ई. शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी गांव-गांव, घर-घर तक अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं और वैचारिक प्रतिबद्धताओं को लेकर जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से निम्नलिखित जन मुद्दों पर पार्टी की नीतियों को आम जनता के बीच पहुंचाने का आह्वान किया:

"माई बहिन मान योजना" – महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कांग्रेस की प्रतिबद्ध योजना।

"**पलायन रोको** – नौकरी दो, रोजगार दो" – बिहार के नौजवानों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में पार्टी का संकल्प।

भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष – प्रदेश और देश में बढ़ते भ्रष्टाचार के खिलाफ कांग्रेस पार्टी की साफ-सुथरी राजनीति की मिसाल।

कांग्रेस की विचारधारा – संविधान, सामाजिक न्याय, समानता और समावेशी विकास को लेकर पार्टी की मूल सोच को जन-जन तक पहुंचाना। ई. राय ने कहा कि आज की बैठक केवल समीक्षा नहीं, बल्कि संकल्प है – कांग्रेस कार्यकर्ता अब अपने-अपने बूथों पर पूर्ण सक्रियता से जुट जाएं और कांग्रेस को जनता की पहली पसंद बनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक पंचायत और गांव में जनसंवाद अभियान चलाया जाएगा, ताकि जनता सीधे कांग्रेस के नेताओं से जुड़ सके। इस बैठक में एआईसीसी साथी अभीनव संगम, जिला युवा प्रभारी ओमप्रकाश कुशवाहा, अनील कुमार सिंह, बजेन्द्र तिवारी, सतेन्द्र नाथ तिवारी, राजेश पाण्डेय,नागेन्द्र राम, हसममुदिन अंसारी, मनोज यादव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

एक व्यक्ति के साथ पड़ोसियों ने की मारपीट

बीएनएम। जमुई / झाझा। थानाक्षेत्र के तेलियाडीह गांव के रहने वाले एक व्यक्ति ने अपने ही गांव के कई लोगों पर मारपीट किए जाने को लेकर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़ित बाबूलाल प्रसाद यादव ने बताया कि मैं अपनी जमीन पर चारो तरफ से 2 फीट छोड़कर मकान बनाया हूं। मेरे घर की ढलाई का जब काम हो रहा था तभी मेरे बगल के पंकज यादव, रंजीत यादव, सकलदेव यादव, शांति देवी, केवली देवी, रेणु देवी, सुरुचि देवी, उषा देवी सीमा देवी आ धमका और रंजीत ने आदेश दिया तो पंकज लाठी, डंडा, फरसा आदि से जान मारने की नीयत से हमला कर दिया और फिर वे लोग मारपीट करने लगा। घटना को लेकर गांव में पंचायती भी हुआ लेकिन वे लोग पंचायती मानने से इनकार कर दिया।

दलित परिवारों की समस्याओं का किया समाधान

बीएनएम। योगापट्टी : योगापट्टी प्रखंड क्षेत्र मे सिसवा बैरागी, सिसवा भूमिहार , ढ़ढ़वा , बलुआ भवानीपुर, डुमरी और नवलपुर पंचायतो मे दिन शुक्रवार को 10.30 बजे डॉक्टर अम्बेडकर समग्र विकास सेवा अभियान के तहत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति विशेष विकास शिविर का आयोजन किया गया | जहाँ सरकार द्वारा चलाये गये योजनाओं से हुए लाभ का ग्रामीणों ने पदाधिकारियों के समक्ष चर्चा की और बताया की सरकारी योजनाओं से क्या लाभ हुआ हैं | उसके फायदे से उनकी कितनी तरक्की हुई हैं |इस महादलित विकास शिविर मे बलुआ भवानीपुर पंचायत के वार्ड नंबर सौलह मे भूतपूर्व मुखिया मनोज राम के कवलापुर गांव मे आयोजन किया गया । वहाँ विकास मित्र चंद्रावती देवी, पति ब्रह्मा राम, गीता देवी, टोला सेवक रमेश बैठा , पंचायत रोजगार सेवक अमजद अली , आवास प्रवेक्षक अनिल कुमार,स्वच्छ्ता प्रवेक्षक टुना कुमार शर्मा,एएनएम सुजाता सिन्हा,डॉक्टर रविशंकर परिक इसी तरह सभी पंचायतो के विकास मित्र, पंचायत सचिव, मुखिया और प्रखंड कर्मी, पदाधिकारी आदि लोग शामिल रहे ।सभी पंचायतो मे सरकार द्वारा चलाये गये डॉक्टर अम्बेडकर समग्र विकास सेवा अभियान के तहत महादलित बस्तियों मे शिविर लगाकर जॉब कार्ड, राशन कार्ड, आवास, और वृद्धा, विधवा पेंशन के समस्याओ को पदाधिकारियों ने सुनकर समाधान किया और उससे वंचित ग्रामीणों को समय रहते हीं अपने कागजात तैयार कर पूरा करा लेने का दिशा निर्देश भी दिया। वहीं स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा शिविर मे आये हुए ग्रामीणों के बीमारियों को सुन दवा का वितरण भी किया गया ।

मारपीट की कराई गई प्राथमिकी

बीएनएम। जमुई/ झाझा। करमा गांव में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट की घटना को लेकर दोनों पक्षों की ओर से थाना में प्राथमिकी दर्ज हुई है। इस संदर्भ में एक पक्ष से रजिया खातून ने दर्ज आवेदन में बताई की गांव के रहने वाले नौशाद अंसारी, शाहजहां अंसारी,इस्तियाक अंसारी, मुजरुमा खातून, मनीषा खातून, सितारा खातून, तेबुन खातून, मुनिया खातून, मामूली बात को लेकर गाली गलौज कर रहा था जिसका विरोध किया तो मेरे साथ मारपीट करने लगा। हल्ला सुनकर भैसुर अयूब अंसारी एवं देवर सनाउल अंसारी बीच बचाव करने आया तो उनलोगों ने उन दोनों के साथ भी मारपीट की और घर में बेटी की निकाह के लिए रखे 25 हजार रुपए नगद एवं जेवर निकाल लिये। दूसरे पक्ष से पीड़िता सितारा खातून ने दर्ज आवेदन में बताई की गांव के ही मोहम्मद रदुक, कुलसुम खातून, मोहम्मद सनाउल, मोहम्मद अयूल, रजिया खातून, मोहम्मद तजमूल और मोहम्मद नसमुल ने एकजुट होकर सितारा खातून के साथ मारपीट की। सितारा खातून ने बताया कि सभी आरोपी लाठी-डंडे से लैस होकर उनके घर में घुस आए और डायन कहकर गाली-गलौज करने लगे। इसके बाद सभी ने मिलकर उनके साथ मारपीट की, जिससे वह और उनके परिवार के सदस्य घायल हो गए। थानाध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि कार्रवाई की जा रही है

लखीसराय में सड़क जर्जर, न शौचालय न रैन बसेरा

बीएनएम। लखीसराय । शहर की मुख्य सड़क की हालत बेहद खराब है। सड़क तिल-तिल कर टूट रही है। राहगीरों, छात्र-छात्राओं और किनारे रहने वालों को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही है। शहर में कहीं भी मुख्य सड़क किनारे सुलभ शौचालय और पुस्तकालय की व्यवस्था नहीं है। इससे गांव से आने वाली महिलाओं और यात्रियों को मानसिक और शारीरिक परेशानी होती है।राजमिस्त्री मजदूर संघ के अध्यक्ष शम्भू राम चंद्रवंशी ने जिला पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर इस समस्या के समाधान की मांग की है। उन्होंने बताया कि शहर के बीचोंबीच सुधा डेयरी के पास सरकार की जमीन खाली है। वहां शौचालय और पुस्तकालय बनाए जा सकते हैं।उन्होंने यह भी कहा कि रोजाना हजारों की संख्या में गरीब और बेरोजगार युवा काम की तलाश में शहर आते हैं। ये लोग चौराहों पर खड़े होकर जाड़ा, गर्मी और बरसात में काम का इंतजार करते हैं। इनके लिए रैन बसेरा या विश्राम गृह की जरूरत है।शहर के दाल पट्टी इलाके में बालिका विद्यालय का निर्माण नहीं हो रहा है। इसे भी जल्द पूरा कराने की मांग की गई है। शम्भू राम ने उम्मीद जताई कि जिला प्रशासन इन समस्याओं पर जल्द कार्रवाई करेगा

नगर परिषद के वार्ड संख्या 33 में पानी के लिए त्राहिमाम

» टैंकर का पानी भी नाकाफी
» तीन हजार आबादी बेहाल

तीन दिनों से मोटर खराब, लोग सड़क पर उतरे

बीएनएम। लखीसराय

नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 33 में पानी की भारी किल्लत से लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। पिछले तीन दिनों से इलाके की मोटर खराब पड़ी है, जिससे घरों में नल सूख गए हैं। पीने के पानी से लेकर खाना पकाने तक की समस्या खड़ी हो गई है। पानी की इस विकट स्थिति से नाराज़ महिलाएं और पुरुष खाली बाल्टी-बर्तन लेकर सड़क पर उतर आए और प्रदर्शन किया।स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार नगर परिषद को शिकायत दी गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अब टैंकर से पानी भेजा जा रहा है, मगर वह भी न पर्याप्त है, न समय पर पहुंचता है। लगभग तीन हजार की आबादी वाले इस वार्ड में एक-एक बूंद पानी के लिए हाहाकार मचा है।नगर परिषद कर्मियों ने बताया कि मोटर में तकनीकी गड़बड़ी है, जिसे ठीक करने की प्रक्रिया जारी है। जल्द ही नई मोटर लगाई जाएगी। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने चेतावनी दी है कि समाधान नहीं होने पर परिषद कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

पानी के लिये प्रदर्शन करते मुहल्लेवासी

पूर्व एरिया कमांडर एसपी केसी सुरेंद्र बाबू और मुखिया की हत्या मामले में गिरफ्तार

गिरफ्तारी के संदर्भ में जानकारी देते एसडीपीओ

बीएनएम। जमुई/ झाझा

एसपी और मुखिया समेत पांच व्यक्तियों की हत्या में जेबी जोन के नक्सली बांका का पूर्व एरिया कमांडर की गिरफ्तारी जिला पुलिस के लिए सबसे बड़ी सफलता हाथ लगी है। एसडीपीओ ने बताया हवेली खड़गपुर के भीमबांध मुख्य मार्ग पर वर्ष 2005 में हुए नक्सली हमले मुंगेर के तत्कालीन मुंगेर एसपी केसी सुरेंद्र बाबू की चर्चित घटना और बांका जिला के बौसी में वर्ष 2008 में तत्कालीन मुखिया सहित 5 लोगों की हत्या की घटना को अंजाम दिया था। इस संदर्भ में झाझा थाना में एसडीपीओ राजेश कुमार के द्वारा पीसी किया गया, जिसमे उन्होंने बताया कि खड़गपुर थाना कांड संख्या 4/2005 और बौसी थाना में दर्ज कांड संख्या 78/2009 में शामिल जेबी जोन के नक्सली बांका का पूर्व एरिया कमांडर नरेश रविदास उर्फ पाताल झाझा में अपने घर तेलियाडीह में आने की सूचना पुलिस अधीक्षक को मिली। जिसके बाद मेरे नेतृत्व में थानाध्यक्ष संजय सिंह,सअनि मुकेश कुमार सिंह एवं अन्य पुलिस बल की एक टीम बनाई गई और फिर गठित टीम तेलियाडीह में नरेश रविदास के घर पर छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार नक्सली से और भी घटनाओं को लेकर पूछताछ की जा रही है।

नल जल योजना पर लग रहा ग्रहण , पेयजल संकट

बैरिया पानी को लेकर हंगामा करते आक्रोशित ग्रामीण

बीएनएम। बैरिया

पीएचइडी की लापरवाही से कई जगह नल जल योजना दम तो रहा है। कहीं एक बूंद पानी भी टपक नहीं रहा तो कहीं मोटर खराब होने से पानी सप्लाई था पड़ गया है। कई आंगनबाड़ी केदो में तो शुद्ध पेयजल के लिए नौनिहाल बच्चे तरस रहे हैं ।पखनाहा डुमरिया पंचायत के वार्ड 19 में लगा नलजल पिछले 4 सप्ताह से ठप हो गया है। जिसको लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने हंगामा किया। ग्रामीण समसुल हक, सैफुल्लाह अंसारी, हसनैन अंसारी, मोहन राम, बाबूलाल राम, राजू हजरा, वासुदेव राम ,सनाउल्लाह अंसारी, पहलाद राम, संतोषी देवी ,प्रभा देवी ,सगीरा खातून समेत दर्जनों ने बंद पडे नल जल को लेकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि करीबन 4 सप्ताह से नल जल के पानी नहीं मिल रहा है। इस भीषण गर्मी में भी पानी नहीं मिलने के कारण काफी परेशानी हो रही है। पीएचइडी विभाग के अधिकारियों को फोन करने पर वे लोग बोलते हैं समय मिलेगा तो बनेगा। वहीं प्राथमिक विद्यालय वृत्ता टोला में स्थित नल जल योजना एक शोभा बनकर रह गई है। शिव मंदिर टोला केंद्र संख्या 137 का चापाकल कई महीनो से खराब है । इसके लिए पीएचइडी विभाग में नया चापाकल लगाने के लिए आवेदन भी दिया जा चुका है। इसी तरह दर्जनों चापाकल आज भी ठप पड़ा हुआ है। जहां सरकार एक और शुद्ध पर जल के लिए नई नई योजनाएं चल रही है। ताकि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके। संबंधी कनीय अभियंता ने बताया कि इसके सुधार के संबंधी कर्मी की निर्देश दिया गया है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए हर लोग पौधे अवश्य लगे

» पौधारोपण करते अधिकारी व जवान

बीएनएम। जमुई/बरहट

गुरुवार को 215 बटालियन सीआरपीएफ बल के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर विनोद कुमार मोहरिल, कमाण्डेन्ट 215 बटा0 के नेतृत्व में मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ प्रवीन कुमार सुमन, सुरेन्द्र सिंह (द्वितीय कमान अधि०), जय सिंह जाट (उप-कमाण्डेंट)-215 बटा० एवं अधीनस्थ अधिकारी व जवानो ने एक साथ मिलकर मलयपुर पुलिस लाईन के प्रांगण मे वृक्षारोपण किये। इस अवसर पर कमाण्डेंट 215 बटा0 विनोद कुमार मोहरिल ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि वृक्षों के अभाव में आज का वातावरण प्रदूषित होता जा रहा है, जिसका प्रभाव सभी जीवधारियों पर पड़ रहा है। पेड़ पौधे वायु के हानिकारक कार्बन डाईऑक्साइड का शोषण करके लाभदायक ऑक्सीजन छोड़ते है। आक्सीजन ही जीवन है, जीवधारी उसे लेकर जीवित रहते है। वृक्षारोपण ही मानव समाज का महत्वपूर्ण दायित्व है। वृक्षारोपण और उनके संरक्षण से सृष्टि को अकाल भावी-विनाश से बचाया जा सकता है। वृक्षों के बिना धरती पर जीवन की कल्पना करना असंभव है। वृक्ष धरती पर अमूल्य सम्पदा के समान है। वृक्षों के कारण ही मनुष्य को अपनी आधारभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के संसाधन प्राप्त होते हैं। अतः पृथ्वी पर वृक्षों की पर्याप्त संख्या में होना बहुत ही आवश्यक है। इस कार्यक्रम के माध्यम से आमलोगों से भी अपील किया जाता है कि वो लोग भी अपने अपने हाथो से कम से कम एक एक पेड़ लगाये। ताकि वृक्षों के अभाव में वातावरण प्रदूषित होने से रोका जा सकें. तथा हमलोगों को जीवित रहने के लिए प्रर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन मिलता रहे। आज इस विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 215 बटा० सीआरपीएफ की सभी कंपनियों के कैम्प परिसर व उसके आस-पास के क्षेत्र चोरमारा, भीमबांध, पैसरा एवं चकाई, में काफी संख्या में वृक्षारोपण किया गया।

पौधारोपण करते अधिकारी व जवान

टैम्पो दुर्घटना में चालक जख्मी, इलाजरत

बीएनएम। बगहाःचौतरवा - धनहा मुख्य पथ के नैनाहा ढाला के समीप गुरुवार की रात टैम्पो दुर्घटना में टैम्पो चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जख्मी टैम्पो चालक को नदी थाना पुलिस ने इलाज हेतु उप स्वास्थ्य केन्द्र पतिलार पहुंचाया। नदी थानाध्यक्ष संजय कुमार यादव ने बताया कि सुचना मिली थी कि चौतरवा - धनहा मुख्य पथ के नैनाहा ढाला के समीप धनहा की तरफ से आ रहा टैम्पो अचानक दुर्घटना ग्रस्त हो गया है, तथा टैम्पो चालक गंभीर रूप से जख्मी है। उन्होंने बताया कि घटना की सुचना मिलते ही सब - इन्स्पेक्टर राजकुमार के नेतृत्व में पुलिस जवानों को घटना स्थल पर भेजा गया। जख्मी स्थिति में टैम्पों चालक को उप स्वास्थ्य केन्द्र पतिलार इलाज हेतु भेजा गया। उन्होंने बताया कि जख्मी टैम्पों चालक की पहचान चौतरवा थाना क्षेत्र के बसवरिया गांव के रामायण ठाकुर के पुत्र उम्र 35 वर्ष गुड्डू ठाकुर के रुप में की गई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना की सुचना जख्मी टैम्पों चालक के परिजनों को दे दी गई है।

कार्यान्वयन समिति की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा

बीएनएम। जमुई/ झाझा

शुक्रवार की सुबह 11 बजे प्रखंड कार्यालय झाझा के सभागार में प्रखंड स्तरीय कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक समिति अध्यक्ष राकेश कुमार दास की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सबसे पहले समिति अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने वर्ष 2020 से अबतक की सरकारी योजनाओं की फाइल को पारदर्शिता के साथ लोगों को बताने की बात उठाई गई। जिसमें सभी बीस सूत्री सदस्य शामिल हुए। बैठक में समिति उपाध्यक्ष विपिन बेसरा, बीडीओ सुनील कुमार चांद, प्रमुख बदमिया देवी, मनरेगा पीओ सुशील कुमार, प्रभारी सीओ आरती भूषण एवं अन्य कई विभागों के पदाधिकारी मौजूद हुए। हालांकि बैठक में कुछ विभाग के पदाधिकारी की उपस्थिति नही होने से समिति उपाध्यक्ष एवं सदस्यों ने नाराजगी जाहिर किया। बैठक में अन्य बीस सूत्री सदस्यों ने कहा कि क्षेत्र की जनता को शत प्रतिशत सरकार की हर योजना का लाभ मिले। पंचायत के विकास में किसी तरह की कोई बाधा न हो इन सभी बिंदुओ पर पदाधिकारी का ध्यान होना आवश्यक है। उसके बाद आयुष्मान कार्ड को लेकर अस्पताल प्रबंधक नवनीत कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि जिलेभर में आयुष्मान कार्ड बनाने में एक नम्बर स्थान हासिल किया है और जो लक्ष्य है उसे पूरा किया जा रहा है। बैठक में आंगनबाड़ी में बच्चों के बीच गुणवत्तापूर्ण पूर्ण भोजन नही मिलने की भी बात उठाई गई। इसके अलावे अबतक एससी एसटी लाभुकों को आवास योजना मिलने की बात बैठक में रखी गई जिसमें आवास पर्यवेक्षक ने 30 हजार एससी एसटी के नाम जोड़ने की बात बताया। अध्यक्ष व उपाध्यक्ष ने नलजल योजना का लाभ कई गांवों में नही मिलने की बात की और जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने के लिए सम्बधित विभाग से कहा। जल जीवन हरियाली, किसानों को पैक्स सदस्यता की सूची में शामिल करने सहित अन्य मुद्दों को उठाया। बैठक में बीस सूत्री सदस्य बलवंत सिंह, सुरेंद्र यादव, परमेश्वर यादव, नागेश्वर मंडल, प्रमुख प्रतिनिधि चंद्रदेव यादव सहित कई लोग मौजूद थे।

बैठक में उपस्थित लोग

साइकिल चालक गंभीर रूप से घायल, पटना रैफर

घायल को इलाज करते चिकित्स

बीएनएम। सिकंदरा

एनएच 333ए सिकंदरा-जमुई मुख्य मार्ग कैथवारा पेट्रोल पंप के समीप शुक्रवार की दोपहर अनियंत्रित अल्टो कार की ठोकर से एक साइकिल चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के मुताबिक शारदाबाद गांव निवासी सत्यनारायण यादव पिता स्वर्गीय साहेब यादव साइकिल पर सवार होकर सिकंदरा बाजार आ रहे थे। इसी क्रम में विपरीत दिशा से आ रही अनियंत्रित अल्टो कार ने साइकिल में जोरदार ठोकर मार दी। जिसमें साइकिल चालक सत्यनारायण यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं ठोकर मारकर अल्टो कार फरार हो गया। घायल को स्थानीय लोगों की मदद से आनन-फानन में सिकंदरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां से चिकित्सकों ने घायल को बेहतर इलाज के लिए जमुई सदर अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन परिजनों के द्वारा निजी वाहन से बेहतर इलाज के लिए घायल सत्यनारायण यादव को पटना ले जाया गया। वहीं घायल की स्थिति नाजुक बताई जा रही है।

वाल्मीकि नगर लोकसभा क्षेत्र का विकास पहली प्राथमिकता - सुनील कुमार

बीएनएम। बगहा

वाल्मीकिनगर सांसद सुनील कुमार ने अपने कार्यकाल का एक साल होने पर प्रेस कांफ्रेस के माध्यम से जनता के सामने अपना रिपोर्ट कार्ड पेश किया।सांसद सुनील कुमार ने उन तमाम कामों का उल्लेख किया जो इनके कार्यकाल में हुआ,होने जा रहा या उसके लिए सांसद द्वारा प्रयास किया जा रहा। ,इन योजनाओं में बगहा-बेलवनिया गंडक पुल सह राजमार्ग,छितौनी तमकुही रेल लाइन का काम पुनः चालू होना,बगहा आरओबी का निर्माण पूरा,रामपुर व चीनी मिल के पास रेलवे गुमटी पर आरओबी की स्वीकृति,उड़ान योजना के तहत छोटे घरेलू विमान उडाने के लिए एयरपोर्ट विकास हेतु वाल्मीकिनगर हवाई अड्डा को राशि स्वीकृत,बगहा अनुमंडल में मिट्टी जाँच केंद्र की स्वीकृति,बगहा व नरकटियागंज अनुमंडल अस्पतालों में शव वाहन की आपूर्ति,कुशीनगर डीएम से बाँसी नदी के जलप्रवाह को लेकर हो रहा प्रयास,मसान नदी के कटाव से निजात हेतु 214 करोड़ रूपये की स्वीकृति,चखनी से रतवल के बीच चम्पारण तटबंध की मरम्मती के लिए राशि स्वीकृत अनुमंडल अस्पताल बगहा के नए भवन के निर्माण की स्वीकृति आदि शामिल है।अन्य योजनाओं में विभिन्न मौकों पर संसदीय क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कृषि विज्ञानं केंद्र या अनुसंधान केंद्र की स्वीकृत के लिए कृषि राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर से मिलना,बाल्मीकिनगर भंसार कार्यालय को विधिवत शुरू करने के लिए वित्त राज्यमंत्री से मिलना,सोमेश्वर पर्वत पर रोपवे निर्माण हेतु प्रयास के मद्देनजर वन मंत्री का निरीक्षण,मदनपुर स्थान को प्रसाद योजना के तहत विकसित करने का प्रस्ताव स्वीकृति की प्रक्रिया में आदि योजनाओं का सांसद द्वारा उल्लेख किया गया।वही सांसद श्री कुमार ने बताया कि मेरा प्रयास है कि बाल्मीकिनगर संसदीय क्षेत्र का सर्वांगीन विकास हो।लौरिया और सेमरा अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सक,मेडिकल स्टाफ और जरूरी उपकरण के लिए मैं प्रयासरत हूँ। मेरे वर्तमान कार्यकाल के पहले साल में बगहा उप डाकघर की मरमती हुई,नरकटियागंज अनुमंडल अस्पताल में डायलीसिस मशीन लगाने की स्वीकृति मिली और बगहा में स्थान मिलने पर वहाँ भी लगया जायेगा।प्रधानमंत्री चिकित्सा राहत कोष से लगभग पाँच सौ लोगों को राहत राशि पहुंचाई गईं,सैकड़ों दिव्यांग जनों को सहाय उपकरण उपलब्ध कराये गए। मौके पर जदयू नेता राकेश सिंह, दयाशंकर सिंह, जितेन्द्र कुशवाहा, अशोक पटेल, दूधनाथ कुशवाहा, क्यूम अंसारी, धर्मजीत सिंह, मनीष कुमार आदि ने क्षेत्र के विकास हेतु सांसद के लगातार और ईमानदार प्रयास के लिए क्षेत्र की जनता की तरफ से सांसद को धन्यवाद दिया।

लोक शिखर सम्मान से नवाजे गये सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र

बीएनएम। भागलपुर/मोतिहारी

गंगा दशहरा के अवसर पर समाज में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखिय योगदानों के लिए चर्चित नामचीन हस्तियों के सम्मान में दानवीर कर्ण वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा गुरुवार को नाथनगर के कर्णगढ़ पर स्थित मनोकामना मंदिर परिसर में लोक शिखर सम्मान का आयोजन किया गया। वहीं समारोह में मुख्य मंच से दानवीर कर्ण वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष सुमन कुमार सुधांशु उर्फ पप्पू मंडल, सचिव प्रमोद सिन्हा, डॉ. रतन मंडल, डॉ. सुधीर मंडल ने संयुक्त रूप से सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह व प्रसस्ति पत्र देकर लोक शिखर सम्मान से सम्मानित किया। बता दें कि सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने पूर्व में भी कर्णगढ़ पर दानवीर कर्ण सहित महाशिवरात्री पर भगवान शिव की दिव्य कलाकृति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भागलपुर आगमन पर उनके स्वागत में उनकी भव्य आकृति बालू के रेत में गढ़कर लाखों लोगों का दिल जीत चुके हैं। इसके अलावें भी फाउंडेशन द्वारा कर्ण गढ़ पर दानवीर कर्ण की 35 फीट प्रतिमा हर हाल में स्थापित करने का संकल्प भी लिया गया। मौके पर उपस्थित जनसत्ता के मुख्य संपादक व समाजसेवी प्रसून लतांत, पवन कुमार, रवींद्र प्रसाद भगत, परमानंद यादव, दीपक यादव, लखन खटीक, पप्पू खटीक और अनिल, पुरुषोत्तम, नीति कुमारी समेत दर्जनों समाजसेवियों, शिक्षाविदों, साहित्यकार, कलाकार व आम लोगों ने भी मधुरेंद्र को बधाई दी।

बिजली को लेकर धरना प्रदर्शन

» सात सूत्री मांगों को लेकर किया गया प्रदर्शन
» निर्बाध रूप से बिजली सप्लाई की मांग

बीएनएम। जमुई/ झाझा

पावर ग्रिड के परिसर में बिजली विभाग के विभिन्न समस्याओं को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन जिला परिषद सदस्य धर्मदेव यादव के अध्यक्षता में आयोजित की गई । धरना कार्यक्रम का कुशल संचालक समाजसेवी गौरव सिंह राठौड़ ने किया , प्रदर्शकारियों ने सात सुत्री मांगों को लेकर अपनी अपनी नाराज़गी जताते हुए कहा कि हल्की बारिश में बिजली ग्रामीण क्षेत्रों में दो दिनों तक बाध्य हो जाती है। जिससे बिजली उपभोक्ताओं को ख़ासा परेशानियों का सामना करना पड़ता है, सात सुत्री मांगों में प्रमुखता से प्रखंड में बिजली आपूर्ति निबोध रूप से ठोस किया जाएं, प्रखंड में विभिन्न टोलों में अबतक बिजली आपूर्ति नहीं की गई है ।जिसको सर्वे कर वहां बिजली बहाल करने का कार्य किया जाएं, किसानों के सिंचाई हेतु उनके कनेक्शन खेतों तक दुरूस्त पहुंचाई जाएं, क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लगें ट्रांसफार्मर में स्विच लगाना सुनिश्चित हो ताकि अधिकांश क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित ना हो सके, जर्जर तारों को बदलना तथा उसके कवर के लिए प्रावधान किया जाना चाहिए , लोगों ने यह भी कहा कि जो भी कनेक्शन होता है तों विभाग हर उपभोक्ता को खंभे से उनके मीटर तक तार मुहैया कराएं, धर्मदेव यादव ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर हमारी मांगों को दरकिनार किया गया तों आने वाले समय में बड़े आंदोलन की तैयारी की जाएगी, समाजसेवी गौरव सिंह राठौड़ ने कहा कि बिजली हम सबो के जीवन का अहम हिस्सा है, अगर अधिक समय तक बिजली बाधित होता है तो यह बेहद दूर्भाग्यपूर्ण हैं,विधुत अभियंता ने उक्त मांगों को देखते हुए जल्द इसपर पहल करने की बात कही।इस मौके पर संजय बंका कुणाल टेंडेंसी उमा पंडित टेकन यादव मनीष यादव मनोज भारती धर्मेंद्र मंडल राहुल कुमार नवीन कुमार आदि बड़ी संख्या में लोग शामिल थे।

धरना प्रदर्शन करते लोग

भारी बारिश भूस्खलन से जुझते पूर्वोत्तर

सिक्किम के छातेन के सैन्य शिविर के भूस्खलन की चपेट में आने से तीन सैनिकों की मौत हो गई और छह सुरक्षाकर्मी लापता हैं। मंगन जिले के लाचेन नगर में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते यह भूस्खलन हुआ। आधिकारिक बयानों के अनुसार तीनों के शव बरामद लिये गए हैं, जबकि मामूली रूप से चुटहिलों का इलाज जारी है। उधर मणिपुर में नदियों के उफान पर होने व तटबंधों के टूटने से उन्नीस हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। चार दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ से तीन हजार से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गए व बाइस लोगों के लापता होने की खबरें हैं। सात हजार प्रभावित लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। बरसात ने बीते 132 सालों का रिकॉर्ड तोड़ा है, जिसके कारण बाढ़, जल-भराव, घर ढहने/ बहने और भुस्खलन के कारण हालात बहुत बिगड़ चुके हैं। ब्रह्मपुत्र व बराक समेत दस से ज्यादा नदियां उफान पर हैं। सिक्किम, असम, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश समेत पूर्वोत्तर बाढ में प्रतिवर्ष की तरह डूब रहा है। सिक्किम के लाचेन व लाचुंग में फंसे हजार से ज्यादा पर्यटकों को सेना व प्रशासन ने हेलीकॉप्टर व बाहनों की मदद से सुरक्षित गंगटोक पहुंचाया। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है, अगले कुछ दिनों तक वहां भारी बारसात हो सकती है। स्कूल-कॉलेज बंद हैं और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की हिदायत दी जा रही है। पूर्वोत्तर के अधिकतर राज्य पर्यावरण व जलवायु के नजरिए से संवेदनशील स्थानों में आते हैं। जहां के रहवासियों को भारी बरसात के चलते घरों के ढहने, सड़के बह जाने व भुस्खलन से जूझना पड़ता है, जिससे जान-माल का भारी नुकसान होता है। देश का 73ल्न क्षेत्र बाढ़ग्रस्त इलाके में आने के बावजूद सरकारी लापरवाही का नतीजा है कि हम आजतक सुरक्षित नहीं हैं। निचले पायदान पर खड़ी जनता की बुनियादी जरूरियात को पूरा करने में कमर टूट जाती है। बुनियादी ढांचा और सुरक्षित जीवन की गारंटी देने में सरकारें बुरी तरह असफल साबित हैं।

बेंगलुरु में व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे का बेनकाब होना

ललित गर्ग

बढ़ते तापमान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की शानदार जीत के बाद आयोज्य जश्न के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं खेल व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है। आरसीबी विक्ट्री परेड के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास अचानक मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई जबकि 50 गंभीर रूप से घायल हुए हैं। भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबस्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और क्रिकेट सितारों को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़, निकासी मार्गों की कमी और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहाँ भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है। क्रिकेट की दुनिया के सबसे बड़े वार्षिक उत्सव इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 18वें संस्करण में आईपीएल खिताब जीत लिया। इस कामयाबी से आईपीएल से विदाई ले रहे विराट कोहली के प्रति जन-उत्साह उमड़ा। लेकिन इस जीत के जश्न की चमक में प्रशंसकों की चीखें एवं आहें का होना और उसे खिलाडियों एवं राजनेताओं द्वारा नजरअंदाज करना, अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा है। दुर्घटना होने एवं आम लोगों की मौतें हो जाने के बावजूद जश्न जारी रहना, दुखद एवं शर्मनाक है। प्रशंसकों की अहमियत को कमतर आंकने के इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ने न केवल राजनेताओं को बल्कि खिलाड़ियों को भी दागी किया है। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है। इस जीत के जश्न में हिस्सा लेने आई भीड़ का एक लाख तक होने का अनुमान था। लेकिन लंबे अंतराल के बाद मिली जीत ने लोगों के उत्साह को इस स्तर तक पहुंचा दिया कि स्टेडियम के आसपास तीन लाख से अधिक लोगों की भीड़ जमा हो गई। खुद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का मौत की खबरें मिलने के बावजूद खिलाडियों के साथ जश्न मनाने में जुटा रहना उनकी प्रचार भूख का भौंडा उदाहरण है। जब मौत के बाद वहां पसरा मातम देखकर सब स्तब्ध थे तो सिद्धारमैया क्यों अपने पद की गरिमा एवं जिम्मेदारी को धूमिल कर रहे थे? सोचिए लोगों की मौत के बाद अगर एक मिनट भी जश्न मना, तालियां बजीं, ठहाके लगे, फ्लाइंग किस दिए गए तो इससे ज्यादा अमानवीयता और निर्दयता क्या हो सकती है? जब खुद सरकार एक जश्न का मातम में बदलने का नेतृत्व करेगी तो आम लोगों का कांप उठना स्वाभाविक है। बहरहाल, आईपीएल का आयोजन लगातार नई ऊंचाइयों को छूता हुआ व्यावसायिक क्रिकेट को नई ऊंचाइयां देने में जरूर सफल रहा है। फटाफट क्रिकेट के दुनिया के सबसे बड़े उत्सव में भारत के दो सर्वकालिक महान खिलाड़ियों विराट कोहली व एमएस धोनी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। अंततः विराट कोहली का आईपीएल खिताब जीतने का लंबा इंतजार इस जीत के साथ खत्म हुआ। लेकिन धोनी पांच बार की विजेता चेन्नई सुपरकिंग को जीत का खिताब दिलाने से चूक गए। एक तरह से आईपीएल क्रिकेट से कोहली की यह शानदार विदाई साबित हुई। वे इस गरिमामय विदाई के हकदार भी थे। उनके करोड़ों प्रशंसकों की कतारे देख कर राजनेता भी उनकी साथ मंच सांझा करने को उत्सुक दिखे, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, अन्य मंत्री एवं प्रशासनिक अधिकारी भी इसी फिराक में अपनी जिम्मेदारियों को भूल जश्न मनाते रहे और आमजनता अव्यवस्थाओं के कारण मौत में समाती रही। यह ऐसी दुखद घटना है जो अपनी निर्दयता एवं क्रूरता के लिये लम्बे समय तक कौंधती रहेगी। सिद्धारमैया के इस घटना की तुलना प्रयागराज कुंभ में हुए हादसे के करना उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रही है। भारत में भीड़ से जुड़े हादसे अनेक आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी। हालही में महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन एवं प्रयागराज में हुए हादसे में भी अनेकों लोगों की जान गयी। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियाँ में भी भीड़ प्रबंधन की पौल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है। रेलवे स्टेशन, मंदिर और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त जगह और रास्ते नहीं हैं। कुछ स्थानों पर निकास मार्ग सीमित हैं या अनुपयुक्त हैं, जो भगदड़ का खतरा बढ़ाते हैं। भीड़ प्रबंधन के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित एवं दक्ष सुरक्षाकर्मी नहीं हैं, जिससे सुरक्षा चूक होने की संभावना बढ़ जाती है। भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों, जैसे कि एआई आधारित निगरानी और ड्रोन कैमरे का उपयोग सीमित है। लोगों को आपातकालीन निकास मार्गों, भीड़ नियंत्रण नियमों, और सुरक्षा उपायों के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। गलत सूचना या अचानक दहशत से भीड़ अनियंत्रित हो सकती है और भगदड़ मच सकती है। भीड़ का व्यवहार कई बार अनियंत्रित हो जाता है, खासकर धार्मिक, खेल एवं सिनेमा आयोजनों में, जहां लोग भावनाओं में बहकर आगे निकलने की होड़ में लग जाते हैं। कई बार आयोजनकर्ताओं और पुलिस के बीच समन्वय की कमी होती है, जिससे सुरक्षा चूक हो सकती है। भीड़ प्रबंधन केवल विधि-व्यवस्था बनाए रखने का विषय नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन की सुरक्षा, सार्वजनिक स्थानों की संरचना और आपातकालीन स्थितियों से निपटने की रणनीतियों से गहनता से संबद्ध है। दुर्भाग्यवश, कई बार आयोजकों और प्रशासनिक एजेंसियों द्वारा पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं किये जाते, जिससे जानमाल की हानि होती है। इस परिदृश्य में, बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन की मौजूदा स्थिति, उससे जुड़ी प्रमुख चुनौतियाँ, हालिया घटनाओं से मिले सबक और प्रभावी समाधानों की चर्चा करना बेहद प्रासंगिक होगा, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियों से बचा जा सके। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में धार्मिक उत्सव, खेल आयोजनों और राजनीतिक रैलियों में लाखों लोग जुटते हैं। ऐसे आयोजनों के लिये पुलिस, होम गार्ड, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को तैनात किया जाता है। विश्व के विभिन्न विकसित देशों में भीड़ प्रबंधन के लिये अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है। जापान जैसे देशों में रेलवे स्टेशनों और सार्वजनिक स्थानों पर अत्यधिक भीड़ के प्रबंधन के लिये ऑटोमेटेड एंट्री और एग्जिट सिस्टम स्थापित किये गए हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय देशों में स्टेडियमों, एयरपोर्ट्स एवं धार्मिक स्थलों पर भीड़ नियंत्रण के लिये एआई आधारित कैमरे, आपातकालीन अलर्ट सिस्टम और प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मी मौजूद रहते हैं। हालाँकि भारत में बड़े आयोजनों के लिये प्रशासनिक तैयारियाँ की जाती हैं, फिर भी समय-समय पर कई कमियाँ उजागर होती रही हैं। लेकिन आरसीबी के चिन्नास्वामी स्टेडियम के जश्न के दौरान खामियां ही खामियां देखने को मिली। ऐसे बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन कोई आसान कार्य नहीं है। लाखों लोगों को नियंत्रित करने के लिये ठोस रणनीति, प्रशासनिक कौशल और अत्याधुनिक तकनीक की आवश्यकता होती है, जिसका इस आयोजन में सर्वथा अभाव रहा। आखिर इतने लोगों की मौत की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और दोषी लोगों को कड़ा दण्ड दिया जाना चाहिए।

सूडोकू नवताल- 7453

✱✱✱✱✱ मध्यम

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1		6	2
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकू नवताल -7452 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

राखीगढ़ीः अतीत की आत्मा से संवाद का जीवंत माध्यम

प्रियंका सौरभ

हरियाणा का राखीगढ़ी गांव हड़प्पाकालीन सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल है। यहां मिले 4600 साल पुराने महिला कंकाल, शंख की चूड़ियां और ताम्र नृत्यांगना की प्रतिमा हड़प्पा सभ्यता में स्त्री की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित करते हैं। डीएनए विश्लेषण ने आर्य आक्रमण सिद्धांत पर सवाल उठाए हैं और भारत की सांस्कृतिक निरंतरता को सिद्ध किया है। राखीगढ़ी अब केवल एक पुरातात्विक खोज नहीं, बल्कि भारत के अतीत की आत्मा से संवाद का जीवंत माध्यम है। राखीगढ़ी हिसार जिले का सामान्य और आम गांव है। अब यह गांव वैश्विक पुरातात्विक विमर्शों का केंद्र है। 1997-99 के दौरान यहां हुए उत्खनन ने राखीगढ़ी को हड़प्पाकालीन सभ्यता के सबसे बड़े स्थलों में शुमार किया। 2012 में विश्व विरासत कोष की 'खतरे में पड़ी धरोहरों' की सूची में इसकी उपस्थिति ने वैश्विक ध्यान खींचा। इसके बाद यहां मिले एक महिला के 4600 वर्ष पुराने कंकाल, उसके बाएं हाथ में शंख की चूड़ियां, और ताम्र की बनी एक नृत्यांगना की प्रतिमा ने इतिहास और पुरातत्व के स्थापित आख्यानों को चुनौती देनी शुरू की। राखीगढ़ी से मिला स्त्री कंकाल सिर्फ एक पुरातात्विक खोज नहीं है, यह उन असंख्य 'मौन स्त्रियों' की प्रतीकात्मक उपस्थिति है, जिन्हें सभ्यता की कहानी से सदा बाहर रखा गया। यह कंकाल लगभग 4600 वर्ष पुराना है और अद्भुत रूप से संरक्षित अवस्था में मिला। उसकी बायीं कलाई पर शंख की चूड़ियां मिलीं। यह उस समय के सामाजिक और सांस्कृतिक प्रतीकों की ओर संकेत करती है। डीएनए विश्लेषण से यह पता चला कि इस महिला के आनुवंशिक संबंध प्राचीन ईरानियों और दक्षिण-पूर्व एशियाई शिकारी-संग्राहकों से तो हैं, लेकिन स्टेपी चरवाहों से कोई संबंध नहीं है–जिनसे अकसर भारत में आर्यों के आगमन को जोड़ा जाता है। यह निष्कर्ष आर्य आक्रमण सिद्धांत को बड़ा झटका देता है और यह संकेत देता है कि भारतीय उपमहाद्वीप में सांस्कृतिक विकास अपनी निरंतरता में हुआ। मोहनजोदड़ो की विश्वप्रसिद्ध कांस्य नर्तकी की तरह राखीगढ़ी से मिली ताम्र प्रतिमा को डांसिंग गर्ल कहा जा रहा है। यह मूर्ति न केवल सौंदर्यबोध और कलात्मकता का प्रमाण है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि उस काल में नारी की उपस्थिति सांस्कृतिक और सार्वजनिक जीवन में कितनी सशक्त रही होगी। यह मान्यता को चुनौती देती है कि प्राचीन सभ्यताओं में स्त्रियां केवल घरेलू क्षेत्र में सीमित थीं। कंकाल मिलने के स्थल पर अग्निवेदिकाओं के अवशेष भी मिले हैं, जो यह संकेत करते हैं कि शवदाह की परंपरा उस समय भी प्रचलित थी। अग्नि, जिसे वैदिक परंपरा में शुद्धिकरण और संस्कार का प्रतीक माना गया है, उसका हड़प्पा काल में इतना महत्वपूर्ण स्थान होना यह दर्शाता है कि वैदिक और हड़प्पा परंपरा एक-दूसरे से पूर्णतः असंबंधित नहीं थीं। कुछ विद्वान मानते हैं कि महाभारत युद्ध लगभग 5000-5500 वर्ष पूर्व हुआ था। यदि यह मान लिया जाए तो राखीगढ़ी की स्थापना इस युद्ध से पहले की मानी जा सकती है। एक किंवदंती यह भी है कि महाभारत युद्ध में वीरगति को प्राप्त सैनिकों की विधवाएं यहीं शरण लेने आई थीं, और यही से इस स्थान का नाम 'राखीगढ़ी' पड़ा। 'राख' यानी मृत्यु की राख, और 'गढ़ी' यानी शरण। ऐसी मिथकीय व्याख्याएं ऐतिहासिक सत्य नहीं हैं, परंतु वे यह दर्शाती हैं कि स्थानीय जनमानस में राखीगढ़ी की सांस्कृतिक स्मृति कितनी गहरी है। राखीगढ़ी से मिले कंकाल का जीनोमिक विश्लेषण केवल पुरातत्व नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास-लेखन में एक बड़ा मोड़ है। स्टेपी डीएनए की अनुपस्थिति सीधे उस विचारधारा को चुनौती देती है जिसने लंबे समय तक आर्य आक्रमण को भारत में सभ्यता के आगमन का कारण बताया। इस अध्ययन ने इतिहास, नृविज्ञान और भाषाविज्ञान के विशेषज्ञों को एक बार फिर यह सोचने पर विवश किया है कि क्या आर्य बाहर से आए थे या यहीं के थे? क्या वैदिक संस्कृति और हड़प्पा संस्कृति में कोई 'टकराव' नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक प्रवाह था? राखीगढ़ी के यह निष्कर्ष अब एनसीईआरटी जैसे शैक्षिक निकायों के पाठ्यक्रम में भी दिखाई दे रहे हैं। हड़प्पा सभ्यता को अब केवल एक 'अतीत' नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की निरंतरता के रूप में पढ़ाया जा रहा है। संस्कृत भाषा की उत्पत्ति, द्रविड़ भाषाओं के विकास और हड़प्पावासियों की भाषा पर भी अब नए सिरे से अध्ययन हो रहे हैं। यह केवल पुरातत्व नहीं, राष्ट्र की आत्मा की खोज है। 2012 में वर्ल्ड मॉन्यूमेंट फंड ने राखीगढ़ी को एशिया के उन 10 धरोहर स्थलों में शामिल किया जो विनाश के कगार पर हैं। अफगानिस्तान का मेस आयनाक, चीन का काशगर और थाईलैंड का अयुथ्या भी इस सूची में शामिल हैं। भारत में अकसर पुरातत्व स्थलों को विकास के नाम पर या अनदेखी की वजह से नुकसान पहुंचता है। राखीगढ़ी का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम इसे पर्यटन केंद्र मात्र बनाना चाहते हैं या शोध की प्रयोगशाला।

मेष राशि– आपका दिन बेहतर रहने वाला है। आज सोचे हुए काम करने के लिए और अपनी योजनाओं को पूरा करने के लिए दिन अच्छा रहेगा। इतने दिनों से जो दिमाग में चल रहा था आज करने का दिन है जीवनसाथी और किस्मत दोनों का साथ मिलेगा। पिछले कुछ समय से अपने दायरे के कुछ खास लोगों से आपकी अनबन चल रही है, तो आज अनबन दूर हो जाएगी।

वृष राशि– आज आपका शुरुवात बढ़िया होने वाली हैं। प्रॉपर्टी डीलर्स को किसी बड़ी डील से अच्छा मुनाफा होगा। आज आपको दूसरों से सोच समझ कर बात करने की जरुरत है। जीवनसाथी आपकी बात को अहमियत देंगे इससे आपको ख़ुशी होगी। छात्र आज कोई नया कोर्स ज्वाइन करने का मन बनायेंगे। आज अपने पिता की सेहत पर ध्यान देने की जरुरत है।

मिथुन राशि– आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है, आज आप जो भी काम शुरु करेंगे उसमें आपको सफलता जरुर मिलेगी। घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे छात्रों को ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है, जल्द ही मेहनत का लाभ आपको मिलने वाला है। आपको अपने गुण और अपने काम के कारण तारीफ मिल सकती है। दिनभर आप में कॉन्फिडेंस ज्यादा रहेगा।

कर्क राशि– आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। संतान पक्ष से मन को संतोष मिलेगा। जो लोग नया औद्यौगिक उद्यम शुरू करना चाहते हैं या नौकरी में नए अवसर खोज रहे हैं उनके लिए अनुकूल समय है। आज आपको किसी काम में पड़ोसियों से लाभ मिलेगा। आज आप जितनी मेहनत करेंगे, आने वाले दिनों में आपको उतना ही फायदा होगा ।

सिंह राशि– आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप अपने बड़े भाई से प्रॉपर्टी से रिलेटेड कोई बात करेंगे और फाइनेंस सम्बंधित कुछ योजनाये बनेगी। आज आप परिवार में को जोड़कर रखने की भूमिका निभाएंगे। आज आप किसी असहाय की मदद करेंगे। आज आप बेवजह के वाद-विवाद से दूर रहेंगे। आज आपका किसी इंटरव्यू में सिलेक्शन होगा अच्छी जॉब मिलेगी।

कन्या राशि– आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपके सामने जो भी कठिन मामले हैं, उन पर बातचीत कर सकते हैं। हालांकि, बातचीत करना थोड़ा कठिन भी रहेगा पर बाद में सफलता मिलेगी। आज स्टूडेंट्स किसी विषय में अपने भाई की मदद ले सकते है जिससे उन्हें काफी हेल्प मिलेगी। जमीन संपत्ति से संबंधित विवादों के निराकरण में सावधानी रखें।

तुला राशि– आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आप करीबी व्यक्ति के बारे में गहराई से विचार करके रिश्ता सुधारेंगे। आज आपको कोई उपलब्धि हासिल होगी। आपके सहयोगी और मित्रों का साथ मिलने से आज आपके जीवन में चल रही परेशानियां दूर हो जाएगी। आप विदेश में व्यपार करने की योजना बनायेंगे।

वृश्चिक राशि– आज अकारण शुरू हुई बाधाएं पूरी तरह से समाप्त हो जायेंगी। आज आपको ननिहाल पक्ष से कोई शुभ समाचार मिलेगा ,जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज मित्रों की सहायता से आपको आय के अवसर मिलेंगे, जिनसे आप लाभ कमा कर आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाएंगे। काफी दिनों से चल रही ईएमआई आज पूरी हो जाएगी।

धनु राशि– आज आपका दिन अच्छा रहने वाला हैं। जरूरत से ज्यादा सोचने के कारण आपको सिर दर्द की परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपका सोशल नेटवर्क मजबूत बनेगा। व्यापार में आपकी मुलाकात तजुर्बेदार लोगों से होगी, उनसे व्यापार से जुडी जानकारी मिलेगी। आज आप बच्चों के किसी निर्णय में उनका पूरा सपोर्ट करेंगी। स्टूडेंट्स आज स्कूल ट्रिप पे कही बाहर जा सकते हैं।]

मकर राशि– आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिये आपको नये अवसर मिलेंगे। किसी को उधार दिया हुआ पैसा आज आपको अचानक वापस मिल सकता है। व्यापार में किसी व्यक्ति से फायदा मिलने की उम्मीद बढ़ेगी। आपका उत्साह भी बढ़ेगा। भाई-बहनों से आपको पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। आज घर में कोई फंक्शन होने से आपके शेड्यूल में बदलाव आ सकता है। रिश्तों में हो रही गलत फहमियां आज ख़त्म होंगी, जिससे आपके रिश्ते में मिठास बढ़ेगी।

कुम्भ राशि– आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। आज आपको करियर में सफलता मिलने वाली है यह आपको किसी सपने जैसा महसूस होगा। पैसों के मामलों में लोगों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचना चाहिए। किसी को उधार पैसा देने में सोच-विचार करना बेहतर रहेगा। आज बिजनेस के क्षेत्र में आपको बड़ा धन लाभ होगा।

मीन राशि– आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। आज परिवार के लोगों से आपको भरपूर सहयोग प्राप्त होगा, खासकर आपके प्रति बड़ों का प्यार बना रहेगा। साथ ही बच्चे भी आपसे खुश रहेंगे। आज आप किसी नये बिजनेस को शुरू करने का विचार कर सकते हैं। आज किसी भी कार्य में सफलता आपके हाथ जरूर लगेगी।

सबका स्वागत करता है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

लोकेन्द्र सिंह

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सबके लिए खुला संगठन है। इसके दरवाजे किसी के लिए बंद नहीं हैं। नागपुर में आयोजित संघ शिक्षावर्ग 'कार्यकर्ता विकास वर्ग-2' के समापन समारोह में जनजाति वर्ग के कद्दावर नेता अरविंद नेताम का शामिल होना कइयों को खल गया। कुछ ने वितंडावाद भी खड़ा किया। इस वितंडावाद की हवा स्वयं जनजातीय नेता नेताम ने यह कहकर निकाल दी, ''वनवासी समाज की समस्याओं और चुनौतियों को संघ कार्यक्रम के माध्यम से रखने का सुअवसर मुझे मिला है।'' उन्होंने संघ के संबंध में एक महत्वपूर्ण टिप्पणी यह भी की, ''इस संगठन में चिंतन-मंथन की गहरी परंपरा है। भविष्य में जनजातीय समाज के सामने जो चुनौतियां आनेवाली हैं, उसमें आदिवासी समाज को जो संभालनेवाले और मदद करनेवाले लोग/संगठन हैं, उनमें हम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को मानते हैं।''। नेताम इंदिरा गांधी और पीवी नरसिम्हा राव सरकार में मंत्री रहे हैं। उल्लेखनीय है कि संघ के कार्यक्रमों में महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर और जयप्रकाश नारायण से लेकर इंदिरा गांधी एवं प्रणब मुखर्जी तक शामिल हो चुके हैं। संघ ने कभी किसी से परहेज नहीं किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का संवाद में गहरा विश्वास है। वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत कहते हैं, ''अगर हम विचारों को एक किला बनाकर उसके अंदर अपने आपको बंद कर लेंगे, तो यह व्यावहारिक नहीं होगा''। संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार से कांग्रेस, समाजवादी एवं कम्युनिस्ट नेताओं के साथ गहरा परिचय था। वो संघ के दर्शन से अवगत कराने के लिए विभिन्न विचारों के विद्वान व्यक्तियों एवं सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ताओं से मिलते थे और उन्हें संघ कार्यक्रमों में आमंत्रित करते थे। संघ के वर्तमान अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर अपनी पुस्तक 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्र' में लिखते हैं, ''किसी विषय पर विभिन्न मत हो सकते हैं, किंतु जब हम समाज के प्रत्येक वर्ग से मिलते हैं, संवाद करते हैं, तो अवश्य ही समाधान निकलता है।'' संघ 1930 के दशक से ही समाज जीवन में सक्रिय लोगों को अपने कार्यक्रमों में बुलाता रहा है। दरअसल, एक और महत्वपूर्ण बात है यह कि संघ को विश्वास है कि जब तक कोई संघ से दूर है, तब तक ही वह संघ का विरोधी हो सकता है। लेकिन जैसे ही वह संघ के निकट आता है और संघ को जानने-समझने लगता है, तब वह संघ का विरोधी हो ही नहीं सकता। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जो इस बात को सिद्ध करते हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन और लोकनायक जयप्रकाश नारायण भी संघ के आमंत्रण पर आ चुके हैं। लोकनायक जयप्रकाश नारायण का प्रारंभ में संघ को लेकर नजरिया आलोचनात्मक था। जब उन्होंने संघ को नजदीक से देखा तब उनके विचार पूरी तरह बदल गए। उन्होंने यहां तक कह दिया, ''यदि आरएसएस फासीवादी संगठन है तो जेपी भी फासीवादी है।''। प्रख्यात समाजवादी चिंतक राममनोहर लोहिया और संघ के पदाधिकारियों के साथ मित्रतापूर्ण संवाद रहा है। आचार्य विनोबा भावे ने कहा है, ''मैं संघ का विधिवत सदस्य नहीं हूं, फिर भी स्वभाव से, परिकल्पना से मैं स्वयंसेवक हूं। '' परम पावन दलाई लामा संघ के अनेक कार्यक्रमों में शामिल होते रहे हैं, उनका भी कहना है, ''मैं संघ का समर्थक हूं। अनुशासन, देशभक्ति और समाज सेवा के लिए यह संगठन जाना जाता है।''। वर्ष 1977 में आंध्र प्रदेश में आए चक्रवात के समय स्वयंसेवकों के सेवा कार्यों को देखकर वहां के सर्वोदयी नेता प्रभाकर राव ने तो संघ को नया नाम ही दे दिया था। उनके अनुसार आरएसएस अर्थात रेडी फॉर सेल्फलेस सर्विस। संघ के कार्यक्रम में जब भी कोई अन्य विचार का व्यक्ति आया है, तब संघ के कार्यकर्ताओं की ओर से कभी उनका विरोध नहीं हुआ। बल्कि स्वयं को अधिक प्रगतिशील एवं लोकतांत्रिक बतानेवाले लोगों ने ही आमंत्रित महानुभावों को रोकने के लिए भरसक प्रयास किए हैं। याद हो, वर्ष 2018 में नागपुर के रेशमबाग में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग-तृतीय वर्ष के समापन समारोह में जब पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के शामिल होने का समाचार सामने आया, तब कितना हो-हल्ला मचाया गया। प्रणब दा को रोकने के लिए पत्र लिखे गए, आह्वान किए गए। आखिर में प्रणब दा समारोह में पहुंचे और अपना उद्बोधन दिया। इस अवसर पर प्रणब दा न केवल आद्य सरसंघचालक डॉ. हेडगेवार के घर (संग्रहालय) गए, बल्कि वहां उन्होंने विजिटर बुक में लिखा, ''मैं आज भारत मां के महान सपूत डॉ. केबी हेडगेवार के प्रति सम्मान और श्रद्धांजलि अर्पित करने आया हूं।'' रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया से संबद्ध और दलित नेता दादासाहेब रामकृष्ण सूर्यभान गवई और कम्युनिस्ट विचारों वाले जस्टिस वीआर कृष्णा अय्यर भी संघ के कार्यक्रमों में आ चुके हैं। मीनाक्षीपुरम में कुछ हिंदुओं द्वारा धर्म परिवर्तन कर इस्लाम स्वीकार किए जाने की घटना के बाद गवई ने स्वयं संघ के कार्यक्रम में आने की इच्छा व्यक्त की थी और अपने विचार रखे थे। केरल की पहली कम्युनिस्ट सरकार में मंत्री रहे जस्टिस वीआर कृष्णा अय्यर ने स्थानीय विरोधों के बावजूद तत्कालीन सरसंघचालक से संपर्क किया और बाद में पत्रकारों के सामने अपने विचार रखे थे। हाल के वर्षों में देखें तो नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी, डीआरडीओ के पूर्व डायरेक्टर जनरल विजय सारस्वत, एचसीएल के प्रमुख शिव नाडर, नेपाल के पूर्व सैन्य प्रमुख रुकमंगुड कटवाल जैसे व्यक्तित्व संघ के विजयादशमी उत्सव में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हो चुके हैं। पिछले एक दशक में नागपुर में आयोजित होनेवाले संघ शिक्षा वर्ग के समापन समारोह में आए प्रमुख महानुभावों में दैनिक पंजाब केसरी के संचालक एवं संपादक अश्वनी कुमार, आदिचुनचुनगिरी मठ (कर्नाटक) के प्रधान पुजारी श्री निर्मलानंदनाथ महास्वामी, आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के संस्थापक श्री श्री रवि शंकर, धर्मस्थल कर्नाटक के धर्माधिकारी पद्मविभूषण डॉ. विरेन्द्र हेगडे, साप्ताहिक 'वर्तमान' (कोलकाता) के संपादक रंतिदेव सेनगुप्त, श्रीरामचंद्र मिशन (हैदराबाद) के अध्यक्ष दाजी उपाख्य कमलेश पटेल, श्री काशी महापीठ (वाराणसी) के 1008 जगद्गुरु डॉ. मल्लिकार्जुन विश्वाराध्य शिवाचार्य महास्वामी, श्री सिद्धगिरी संस्थान मठ (कोल्हापुर) के अदृश्य काडसिद्धेश्वर स्वामी और श्री क्षेत्र गोदावरी धाम बेट सराला के पीठीधीश श्री रामगिरी जी महाराज प्रमुख हैं।

जनरल करिअप्पा कर चुके हैं संघ कार्य की प्रशंसा– वर्ष 1959 में पूर्व जनरल फील्ड मार्शल करियप्पा मंगलोर में संघ की एक शाखा के कार्यक्रम में गए थे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

शुभमन गिल की टेस्ट कप्तानी की शुरुआतः 'स्पष्टता और आत्मविश्वास' को बनाना चाहते हैं टीम की पहचान

मुंबई। भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने गुरुवार को अपने पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने नेतृत्व के दृष्टिकोण को लेकर पूरी स्पष्टता और आत्मविश्वास दिखाया। 25 वर्षीय गिल इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज़ से अपनी कप्तानी की शुरुआत करने जा रहे हैं और उनका लक्ष्य है — टीम के भीतर विश्वास और पारदर्शिता की संस्कृति को विकसित करना। मुंबई में मीडिया से बात करते हुए गिल ने कहा, "मेरे पास कोई खास कप्तानी का स्टाइल नहीं है। जितना ज़्यादा खेलते हो, उतना ज़्यादा अनुभव आता है और आपकी अपनी शैली खुद सामने आती है। मेरे लिए सबसे जरूरी चीज़ है खिलाड़ियों से संवाद, उन्हें उनकी ताकत और कमजोरी को लेकर सहज महसूस कराना। अगर खिलाड़ी सुरक्षित महसूस करते हैं, तभी वे अपना 100% दे पाते हैं।" गिल ने रोहित शर्मा की नेतृत्व शैली की तारीफ करते हुए कहा, "रोहित भाई की सबसे बड़ी खूबी थी उनकी साफ़-साफ़ बात करने की शैली। वे जानते थे कि खिलाड़ियों से क्या चाहिए और उसे साफ़ तरीके से बताते थे। मैं भी वही अपनाना चाहूंगा।" भारत को हाल में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ में हार झेलनी पड़ी, जिससे टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की दौड़ से बाहर हो गई थी। ऐसे में गिल को बड़ी चुनौती के साथ कप्तानी सौंपी गई है। इस पर गिल ने कहा, "हर दौरे में दबाव होता है। हमारे पास अच्छा कॉम्बिनेशन है — अनुभव और टैलेंट का। नए सिरे से शुरुआत करने का मौका है और हम इसके लिए तैयार हैं।" गिल भारत के पांचवें सबसे युवा टेस्ट कप्तान हैं और 1988 में एक टेस्ट के लिए कप्तान बने रवि शास्त्री के बाद सबसे कम उम्र के टेस्ट लीडर हैं। गिल ने बताया कि टीम का बल्लेबाजी क्रम अभी तय नहीं हुआ है। उन्होंने कहा,"हम 10 दिनों का कैंप करेंगे और 13 से 16 जून के बीच एक इंट्रा-स्क्वॉड मैच भी होगा। उसी के बाद हम तय करेंगे कि कौन किस क्रम पर खेलेगा।" गौरतलब है कि भारत की 18 सदस्यीय टीम में पहली बार शामिल हुए हैं बी. साई सुधर्शन, जबकि 8 साल बाद टेस्ट टीम में लौटे हैं करुण नायर। अभिमन्यु ईश्वरन को भी बरकरार रखा गया है। ऑलराउंडर विकल्पों में नितीश रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर और रवींद्र जडेजा शामिल हैं। गंभीर बोले – '20 विकेट लेने वाले गेंदबाज़ ही मैच जिताते हैं' हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा, "केवल पिच की स्थिति नहीं, इंग्लैंड में ऊपर के हालात भी अहम होते हैं। टेस्ट मैच जीतने के लिए 20 विकेट लेने जरूरी होते हैं। चाहे बैटर 1000 रन बना लें, पर अगर 20 विकेट नहीं लिए, तो जीत मुश्किल है।" इंग्लैंड की आक्रामक टेस्ट शैली 'बाज़बॉल' को लेकर गिल ने कहा, "वे एक खास अंदाज़ में खेलते हैं। लेकिन यह हमारे लिए एक मौका है। अगर हम अपने प्लान और एग्ज़ीक्यूशन में प्रोऐक्टिव रहे, तो उन्हें दबाव में डाल सकते हैं।" एकदिनी और टी 20 में भारत अभी भी नंबर 1 टीम है, लेकिन टेस्ट में बदलाव का दौर है। गिल के सामने मौका है न सिर्फ खुद को कप्तान के तौर पर साबित करने का, बल्कि टीम को फिर से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की दौड़ में लाने का भी। अगले फाइनल तक गिल 27 वर्ष के होंगे, और यही दो साल उनकी कप्तानी की असली परीक्षा होंगे।

पीयूष चावला ने 36 साल की उम्र में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से लिया संन्यास

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज लेग स्पिनर और दो बार के वर्ल्ड कप विजेता पीयूष चावला ने शुक्रवार को पेशेवर क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। 36 वर्षीय चावला ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, "20 साल से ज्यादा समय तक मैदान पर रहने के बाद अब इस खूबसूरत खेल को अलविदा कहने का समय आ गया है।" चावला ने 2007 में भारत को टी20 विश्व कप जिताने वाली टीम और 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने पेशेवर क्रिकेट में सभी फॉर्मेट मिलाकर 1000 से अधिक विकेट चटकाए। भारत के लिए उन्होंने 3 टेस्ट, 25 वनडे और 7 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और कुल 43 विकेट हासिल किए। चावला ने महज 17 साल और 75 दिन की उम्र में भारत के लिए इंग्लैंड के खिलाफ मार्च 2006 में टेस्ट डेब्यू किया था। वे इस फॉर्मेट में भारत की ओर से सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले दूसरे पुरुष खिलाड़ी हैं। उनसे पहले यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है जिन्होंने 16 साल और 205 दिन की उम्र में डेब्यू किया था। अपने पोस्ट में चावला ने लिखा, "भारत का प्रतिनिधित्व करना और 2007 व 2011 की विश्व विजेता टीम का हिस्सा बनना मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। ये यादें हमेशा मेरे दिल में रहेंगी।" आईपीएल में भी पीयूष चावला का करियर शानदार रहा। उन्होंने 4 फ्रेंचाइजियों के लिए खेलते हुए 192 मैचों में 192 विकेट चटकाए। उनका आखिरी आईपीएल कार्यकाल मुंबई इंडियंस के साथ 2022 से 2024 के बीच रहा। उन्होंने कहा, "मैं दिल से पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। आईपीएल मेरे करियर का एक खास अध्याय रहा है।" nअपने कोच के प्रति आभार जताते हुए उन्होंने लिखा, "मैं अपने कोच श्री के.के. गौतम और स्वर्गीय श्री पंकज सरस्वत का विशेष धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने मुझे एक बेहतरीन क्रिकेटर बनने में मार्गदर्शन दिया।" पीयूष चावला ने अपना आखिरी पेशेवर मुकाबला नवंबर 2024 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश के लिए खेला था, जिसमें उन्होंने वानखेड़े स्टेडियम पर 4 विकेट लेकर 12 रन दिए थे। अंत में चावला ने कहा, "हालांकि मैं अब पिच से दूर जा रहा हूं, लेकिन क्रिकेट हमेशा मेरे भीतर जिंदा रहेगा। अब मैं इस खेल से मिली सीख को अपने साथ लेकर अपने जीवन की नई यात्रा की ओर बढ़ रहा हूं।"

नॉर्वे शतरंज 2025: कार्लसन अंतिम राउंड से पहले बढ़त पर, गुकेश ने किया दबाव तेज

स्टावेंगर (नॉर्वे)। नॉर्वे शतरंज 2025 का नौवां राउंड रोमांच से भरपूर रहा, जहां शीर्ष खिलाड़ियों के निर्णायक मुकाबलों ने अंक तालिका को पूरी तरह हिला कर रख दिया है। दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने फबियानो करूआना के खिलाफ अहम जीत दर्ज की। शुरुआत से ही कार्लसन ने बढ़त बना ली थी और एंडगेम तक पहुंचते-पहुंचते करूआना की मजबूत डिफेंस को तोड़ते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। वहीं, मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश और चीन के शीर्ष खिलाड़ी वे यी के बीच मुकाबला बेहद रोचक रहा। शुरुआती दौर में वे यी की एक बड़ी चूक का फायदा उठाते हुए गुकेश ने आक्रामक खेल दिखाया और जीत की ओर बढ़ते चले गए। एंडगेम में उन्होंने सटीकता के साथ जीत को सुनिश्चित किया। हिकारु नाकामुरा और अर्जुन एरिगैसी के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहा, लेकिन अर्मागेडन गेम में नाकामुरा ने जीत हासिल कर अतिरिक्त अंक बटोर लिए। अंतिम राउंड से पहले मैग्नस कार्लसन आधा अंक की बढ़त के साथ शीर्ष पर हैं, जबकि गुकेश डी नजदीकी पीछा कर रहे हैं। फाइनल राउंड अब बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

नॉर्वे महिला शतरंजः कोनेरू हम्पी की बढ़त, पर खिताबी रेस अभी बाकी- महिलाओं के टूर्नामेंट में भी नौवां राउंड बेहद उतार-चढ़ाव भरा रहा। सभी तीन मुकाबले निर्णायक रहे, जिससे अंतिम दिन के पहले अंक तालिका में बड़ा उलटफेर हुआ है। वैशाली रमेशबाबू और सारा खादेमअलशारिया के बीच मुकाबला बेहद जटिल रहा। सारा ने समय पर दबाव बनाए रखा और अपनी बढ़त को बरकरार रखते हुए मुकाबला जीत लिया। जू वेनजुन और अन्ना मुजिचुक की भिड़ंत में अन्ना ने शुरू में ही एक्सचेंज की कुर्बानी देकर खेल में पकड़ बनाई। जू की एक बड़ी रक्षात्मक गलती के चलते अन्ना ने आसानी से मुकाबला अपने नाम कर लिया। कोनेरू हम्पी और लेई तिंगजी के मुकाबले में हम्पी ने अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन एक बड़ी गलती ने गेम का रुख पलट दिया। लेई ने मौके का फायदा उठाते हुए जीत दर्ज की। अब अंतिम राउंड से पहले अन्ना मुजिचुक दो अंकों की बढ़त के साथ टॉप पर हैं, लेकिन हम्पी कोनेरू सहित शीर्ष चार खिलाड़ियों के पास अब भी खिताब जीतने का मौका है।

आईपीएल के इस सत्र से विराट ने 27 करोड़ से अधिक कमाये

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली इस बार आईपीएल खिताब जीतने में सफल रहे। विराट का इस सत्र में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा और उन्होंने 657 रन बनाये। विराट आईपीएल की शुरुआत साल 2008 से ही आरसीबी के साथ हैं। वहीं कमाई की बात करें तो विराट ने इस सत्र से करीब 27 करोड़ रुपये कमाये हैं। विराट कोहली को आरसीबी ने मेगा नीलामी से पहले ही 21 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। वह हेनरिक क्लासेन 23 करोड़ के बाद रिटेन होने वाले सबसे महंगे खिलाड़ी थे। आईपीएल में खिलाड़ियों को वेतन के अलावा मैच फीस भी मिलती है। एक मैच खेलने के लिए खिलाड़ी को साढ़े 7 लाख रुपये मिले। इस सत्र में विराट ने ग्रुप राउंड में 13 मुकाबले खेले। इसके अलावा प्लेऑफ में क्वालिफायर-1 और फाइनल खेला। इस तरह उनके कुल 15 मुकाबले हो गए। इसके लिए उन्हें एक करोड़ 12 लाख पचास हजार रुपये की राशि मिली। एक रिपोर्ट के अनुसार आईपीएल इनामी राशि का 30 फीसदी खिलाड़ियों के बीच बांट दिया जाता है। आरसीबी में 22 खिलाड़ी हैं और इस तरह विराट के हिस्से में करीब 27 लाख रुपये आएंगे। वहीं लीग के दौरान इंडोर्समेंट से भी विराट की कमाई करीब 5 करोड़ रुपये हुई। इस तरह आईपीएल 2025 के दौरान विराट ने लगभग 27 करोड़ 40 लाख रुपये कमा लिए। इस प्रकार हर एक मैच के लिए उन्हें एक करोड़ 83 लाख रुपये मिले।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में तीन मैचों में ही उतारे जाएंगे बुमराह : गंभीर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि इंग्लैंड दौरे में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह तीन टेस्ट मैच खेलेंगे। गंभीर के अनुसार अभी ये तय नहीं है कि बुमराह किन तीन मैचों में खेलेंगे। साथ ही कहा कि ये काफी हद तक उनके सीरीज के परिणामों पर निर्भर करेगा। गंभीर के अनुसार बुमराह खेलने को लेकर बेहद उत्साहित हैं पर उनकी फिटनेस का ध्यान रखते हुए उनपर जरुरत से ज्यादा बोझ नहीं डाला जाएगा। गंभीर ने कहा कि भारतीय टीम के पास ऐसे काफी गेंदबाज हैं, जो कठिन हालात में भी टीम को जीत दिला सकते हैं। इसलिए बुमराह को हर मैच में उतारना जरुरी नहीं है। गंभीर ने बुमराह की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमारे पास कई तेज गेंदबाज शानदार फॉर्म में हैं। साथ ही कहा कि जब आपके पास बुमराह जैसा गेंदबाज हो, तो यह देखना शानदार होगा कि वह कितने मैच खेलते हैं। यह हमारे लिए एक विशेष अनुभव होगा। हालांकि, गंभीर ने यह भी माना कि बुमराह की जगह लेना आसान नहीं है पर कहा कि हमारे पास कई योग्य गेंदबाज उपलब्ध हैं। इससे अंदाजा होता है कि इस टीम में गहराई है और वह किसी एक खिलाड़ी पर ही नहीं टिकी हुई है। उन्होंने कहा कि हम एक अच्छी स्थिति में हैं जिससे सभी खिलाड़ी बेहद उत्साहित हैं। यह कुछ विशेष करने का एक और अवसर है।

व्यापार

भारत और इटली वैमानिकी, ऊर्जा, परिवहन और वाहन क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे

ब्रेसिया। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और इटली के उप-प्रधानमंत्री तथा विदेश एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्री एंटोनियो तजानी के बीच इटली के प्रमुख व्यापार केंद्र ब्रेशिया में हुई बैठकों के दौरान कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। भारत और इटली विनिर्माण, ऑटो, एयरोस्पेस, ऊर्जा परिवर्तन, प्रवासन और गतिशीलता जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। पीयूष गोयल ने इटली की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान भारत-इटली संयुक्त आर्थिक सहयोग आयोग (जेसीईसी) के 22वें सत्र की सह-अध्यक्षता की। भारत और इटली कई उभरते और रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग को प्राथमिकता देने पर सहमत हुए। दोनों पक्षों ने कौशल विकास, डिजिटल परिवर्तन, प्रवास और गतिशीलता के साथ-साथ भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) जैसी वैश्विक कनेक्टिविटी पहलों में संयुक्त प्रयासों के महत्व पर भी जोर दिया। संयुक्त आर्थिक सहयोग आयोग की ओर से इस दौरान एक उच्चस्तरीय ग्रोथ फोरम का आयोजन किया गया, जिसमें दोनों देशों के सीईओ और प्रमुख उद्योगपति शामिल हुए। यह मंच उभरते व्यापार के अवसरों और आपसी हितों के औद्योगिक सहयोग की पहचान करने में उपयोगी साबित हुआ। वाणिज्य मंत्री की दो दिवसीय इटली दौरा 5 जून को समाप्त हुई। इस यात्रा के दौरान पीयूष गोयल के साथ लगभग 90 कंपनियों के शीर्ष नेतृत्व वाला एक मजबूत भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी था। प्रतिनिधिमंडल ने इतालवी उद्योगों का दौरा किया और स्थानीय कंपनियों के साथ कई बैठकें कीं। गोयल ने इतालवी उद्योगपतियों के साथ बातचीत भी की और भारत में परिचालन, विनिर्माण या कार्यालय का विस्तार करने की उनकी योजनाओं का स्वागत किया। गौरतलब है कि ब्रेशिया इटली का विनिर्माण केंद्र है। गोयल और उप-प्रधान मंत्री तजानी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ब्रेशिया में एक प्रमुख इतालवी अपशिष्ट-से-ऊर्जा कंपनी ए2ए का दौरा किया। इस यात्रा ने स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग के अवसरों पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की "एक पेड़ मां के नाम" पहल के तहत एक प्रतीकात्मक रूप में दोनों नेताओं ने सांता जूलिया यूनेस्को विरासत परिसर में अपनी मां की याद में पौधे लगाए। वाणिज्य मंत्री की यात्रा भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास और अवसरों को उजागर करने तथा बढ़ते द्विपक्षीय वाणिज्यिक और आर्थिक संबंधों को और समृद्ध बनाने में सहायक रही।

सर्राफा बाजार में तेजी: 1 लाख के करीब पहुंच सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मजबूती नजर आ रही है। इस तेजी के कारण 24 कैरेट सोना एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के काफी करीब पहुंच गया है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 99,610 रुपये से लेकर 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 91,310 रुपये से लेकर 91,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी आज 2,000 रुपये की तेजी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,04,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 99,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 99,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 91,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा ने कहा- अब रेपो रेट में और कटौती की गुंजाइश काफी कम

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि रेपो रेट में 0.50 फीसदी कटौती करने की घोषणा के बाद इसमें आगे और कम करने की बहुत कम गुंजाइश दिख रही है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक में नीतिगत दर को आधा फीसदी घटाकर 5.5 फीसदी पर लाने का फैसला किया गया है। रिजर्व बैंक फरवरी से लेकर अबतक रेपो रेट में एक फीसदी की कटौती कर चुका है। संजय मल्होत्रा ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक के बाद मुंबई में प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि भविष्य की मौद्रिक नीति कार्रवाई आने वाले आंकड़ों पर निर्भर करेगी। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए मौद्रिक नीति के लिए अब बहुत सीमित गुंजाइश है। उन्होंने कहा कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान लगभग 6.5 फीसदी है, जबकि हम महंगाई दर के इस साल 3.7 फीसदी और अगले वर्ष के लिए चार फीसदी से अधिक रहने का अनुमान लगा रहे हैं। यदि यह सब होता है, तो फिर रेपो रेट में कटौती की बहुत सीमित गुंजाइश है। आरबीआई गवर्नर ने उम्मीद जताई कि रेपो रेट में कटौती का आर्थिक वृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि इसका प्रभाव चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही में ही नजर आएगा। मल्होत्रा ने कहा, ''हम आने वाले आंकड़ों पर नजर रखना जारी रखेंगे और मुख्य रूप से वही कदम उठाएंगे, जो आंकड़े हमें सुझाएंगे।'' उन्होंने कहा कि ताजा कटौती के बाद रेपो दर पिछले तीन साल के सबसे निचले स्तर पर आ गई है। पिछले रुझानों की तुलना में इस बार प्रमुख नीतिगत ब्याज दर में कटौती का ग्राहकों के स्तर पर रूपांतरण कहीं अधिक तेजी से होगा। उन्होंने कहा कि भारत एक आकर्षक निवेश गंतव्य बना हुआ है और विदेशी निवेशकों द्वारा अपना पैसा वापस भेजने के मामले में वृद्धि एक परिपक्व बाजार का संकेत है। यह दर्शाता है कि विदेशी निवेशक भारत में आसानी से प्रवेश कर सकते हैं और बाहर निकल सकते हैं। उन्होंने कहा कि सकल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह मजबूत बना हुआ है। यह वित्त वर्ष 2024-25 में करीब 14 फीसदी बढ़कर 81 अरब डॉलर हो गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 71.3 अरब डॉलर था।

आरबीआई के फैसले से उछला शेयर बाजार, सेंसेक्स में 612.20 अंकों की बढ़त

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति के नतीजों के एलान के बाद हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को शेयर बाजार में तेजी देखने को मिल रही है। बॉम्बे स्टॉक एकसचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 612.20 अंक यानी 0.75 फीसदी की बढ़त के साथ 82,054.24 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 201.90 अंक यानी 0.82 फीसदी उछलकर 24,952.80 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। शेयर बाजार में आज के कारोबार में मेटल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में तेजी है। बैंकिंग, ऑटो और रियल्टी शेयर्स में आज ज्यादा बढ़त है। वहीं, एफएमसीजी और आईटी शेयर्स दबाव में कारोबार कर रहे हैं। हालांकि, शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट दर्ज की गई थी। इसके अलावा, वैश्विक बाजारों में सुस्त रुख और विदेशी पूंजी की निकासी ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया।

ग्लोबल मार्केट में मिला-जुला कारोबार- वहीं, एशियाई बाजार में जापान का निक्केई 0.50 फीसदी की तेजी के साथ 37,730 पर और कोरिया का कोस्पी 1.50 फीसदी ऊपर 2,812 पर कारोबार कर रहा है। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.30 फीसदी की गिरावट के साथ 23,824 के स्तर पर है। वहीं, चीन का शंघाई कंपोजिट 3,382 के स्तर पर फ्लैट कारोबार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि वैश्विक बाजार में तेजी के बीच हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 443.79 अंक यानी 0.55 फीसदी की उछाल के साथ 81,442.04 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 130.70 अंक यानी 0.53 फीसदी की बढ़त के साथ 24,750.90 के स्तर पर बंद हुआ था।

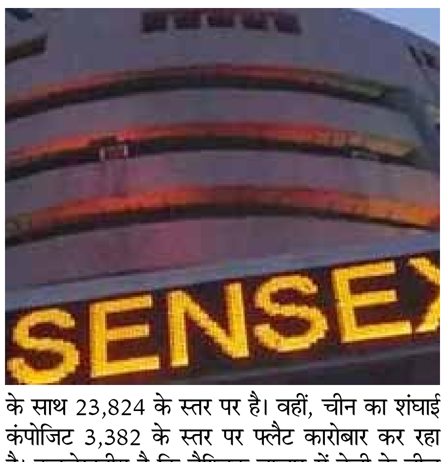

एलन मस्क की स्टारलिंक को भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं देने का लाइसेंस मिला

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं संचालित करने का दूरसंचार विभाग (डॉट) का लाइसेंस मिल गया है। स्टारलिंक को अब सिर्फ इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर (IN-SPACe) के अप्रूवल का इंतजार है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को सरकार से जरूरी लाइसेंस मिल गया है। दूरसंचार विभाग ने स्टारलिंक को ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन बाय सैटेलाइट (जीएमपीसीएस) लाइसेंस दिया है। इस लाइसेंस के मिलने से स्टारलिंक भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा शुरू कर पाएगी। भारती एयरटेल-यूटेलसैट की वनवेब और रिलायंस जियो के बाद स्टारलिंक तीसरी कंपनी है, जिसे यह लाइसेंस मिला है। इससे एक दिन पहले गुरुवार को केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बताया था कि जल्द ही स्टारलिंक सैटकॉम लाइसेंस दिया जा सकता है, इसके लिए प्रक्रिया चल रही है। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि अब स्पेक्ट्रम का आवंटन होगा। इसके बाद बड़े पैमाने पर सेवाएं शुरू हो सकेंगी, जिससे भारत में ग्राहकों की संख्या बढ़ेगी। उल्लेखनीय है कि स्टारलिंक 2021 से ही भारतीय बाजार में आना चाहती थी। लेकिन, कुछ नियमों के कारण कंपनी को पहले अपने प्रयास रोकने पड़े थे। इसके साथ ही प्री-ऑर्डर के पैसे भी वापस करने पड़े थे।

मेट्रो... इन दिनों का ट्रेलर जारी, 4 लूज़र लवर्स की पेचीदा कहानी

उम्र के हर वर्ग के लोगों की मॉर्डन लव स्टोरी देगी नया अनुभव

अनुराग बसु निर्देशित मेट्रोजइन दिनों का ट्रेलर रिलीज हो गया है. आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान और अन्य स्टार्स वाली यह आगामी रोमांटिक ड्रामा 4 जुलाई को सिनेमाघरों में आएगी. हाल ही में फिल्म का पहला गाना भी रिलीज किया गया था और यह फैंस के बीच ट्रेंड कर रहा है. सारा अली खान ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर अपनी आगामी रोमांटिक ड्रामा मेट्रो इन दिनों का ट्रेलर पोस्ट किया है और कैप्शन में लिखा है, हर उम्र के लिए एक कहानी. हर पड़ाव पर प्यार. यह सिर्फ हमारी लव स्टोरी नहीं है- यह आपकी भी है. मेट्रोजइन दिनों ट्रेलर जारी. 4 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में अपनी खुद की कहानी देखें. ट्रेलर की शुरुआत में एक खूबसूरत गाने की झलक दिखाई गई है. इसके बाद ट्रेलर की शुरुआत आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान के कैब में सफर करने से होती है. ट्रेलर में दिखाया गया है कि वे सिर्फ दोस्त हैं लेकिन धीरे-धीरे प्यार में पड़ जाते हैं. ट्रेलर में आगे तीन अन्य जोड़ियों की भी झलक दिखाई गई है, जो उनके अतीत और वर्तमान से परिचित कराता है. रोमांटिक पल बिताने के बाद ये चारों जोड़े कठिन समय से गुजर रहे होते हैं और उनके रिश्ते भी. धर्मेंद्र और नफीसा अली की जगह नीना गुप्ता और अनुपम खेर ने ले ली है. उनका रोमांस नेचुरल और सच्चा है. उनका चुपके से किया गया रोमांस जो चेहरे पर नहीं बल्कि आंखों के माध्यम से व्यक्त होता है. उम्मीद हैं कि उनकी ये लव स्टोरी दर्शकों को पसंद आएंगी. फिल्म में कोंकणा की जोड़ी पंकज त्रिपाठी संग बनाई गई है. हालांक, दर्शकों को इरफान खान की कमी खलेगी. ट्रेलर में प्यार, दर्द और जूनुन ये बताता है कि यह फिल्म की कहानी काफी बेहतरीन होने वाली है. मेट्रो इन दिनो का पहला गाना रिलीज हो गया है. जमाना लगे नाम के इस गाने में म्यूजिक मास्टर प्रीतम के साथ अरिजीत सिंह और शाश्वत सिंह ने आवाज दी है. यह एक दिल को छू लेने वाला गाना है जो फिल्म की जुड़ी कहानियों को खूबसूरती से जोड़ता है. अनुराग बसु निर्देशित मेट्रो इन दिनो 2007 की फिल्म लाइफ इन एज् मेट्रो का सीक्वल है. इसमें कई शहरी रिश्तों को दिखाया गया है. गाने का म्यूजिक वीडियो इसके कलाकारों की जिंदगी की झलक दिखाता है. फिल्म में सारा अली खान और आदित्य रॉय कपूर के बीच एक रोमांटिक मोड़ देखने को मिलेगा, जहां वह उन्हें मेट्रो में विदा लेते हैं. फिल्म में सारा और आदित्य के अलावा, अली फजल, फातिमा सना शेख, कोंकणा सेन शर्मा, पंकज त्रिपाठी, नीना गुप्ता, अनुपम खेर, सास्वता चटर्जी भी हैं. यह फिल्म 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

आंखों की गुस्ताखियां का पहला पोस्टर रिलीज

शनाया कपूर के साथ रोमांस करते दिखे विक्रांत मैसी

अभिनेता विक्रांत मैसी और शनाया कपूर स्टारर अपकमिंग रोमांटिक फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। इस बीच निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें विक्रांत और शनाया की केमिस्ट्री शानदार नजर आई। 'आंखों की गुस्ताखियां म्यूजिकल प्रेम कहानी है, जो भावनाओं और प्यार के जादू को दिखाती है। शनाया कपूर इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। दोनों की जोड़ी को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। पोस्टर में उनकी केमिस्ट्री को प्रशंसकों ने शानदार और प्यारा बताया। जी स्टूडियोज ने पोस्टर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, दो दिल, एक प्यार और अनगिनत गुस्ताखियां। आंखों की गुस्ताखियां का टीजर गुरुवार को रिलीज होगा और 11 जुलाई को अपने नज़दीकी सिनेमाघरों में प्यार का एहसास करने के लिए जरूर जाएं। हाल ही में प्रोड्यूसर मानसी बागला ने 'आंखों की गुस्ताखियां में शनाया कपूर को लॉन्च करने के अपने फैसले के बारे में खुलकर बात की थी। बागला ने खुलासा किया कि वह एक ऐसी नायिका चाहती थीं, जिसमें अल्हड़पन और अनिश्चितता हो, ऐसे गुण जो केवल एक नया चेहरा ही ला सकता था। स्क्रिप्ट लिखते समय उन्हें लगा कि शनाया की स्वाभाविक प्रतिभा और उसके चेहरे के भाव किरदार की मांगों के साथ पूरी तरह मेल खाते हैं, जिसके चलते उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के शनाया को चुन लिया। उन्हें लगता है कि इस किरदार के लिए शनाया कपूर एकदम सही हैं। फिल्म में संगीत गायक विशाल मिश्रा ने दिया है। जानकारी के अनुसार यह कहानी दो ब्लाइंड लोगों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो आधुनिक समय में प्रेम की खुशियों और चुनौतियों का सामना करते हैं। यह रस्किन बांड की कहानी 'द आइज़ हैव इट से प्रेरित है। फिल्म का निर्देशन संतोष सिंह ने किया है और इसे मानसी बागला और निरंजन अयंगर ने मिलकर संयुक्त रूप से लिखा है। जी स्टूडियोज और मिनी फिल्म्स ने फिल्म का निर्माण किया है। वहीं, मानसी और वरुण बागला ने प्रोड्यूस किया है। 'आंखों की गुस्ताखियां 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

हाउसफुल 3 के 9 साल पुरे हुए, टी-सीरीज ने मनाया कॉमेडी क्लासिक का जश्न!

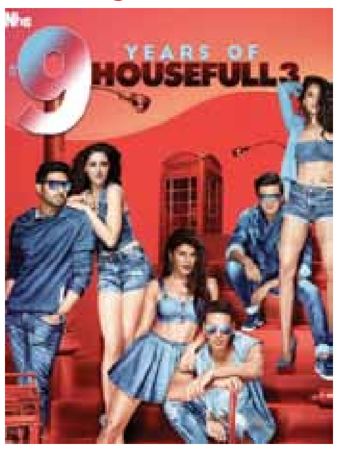

तीन गुना कन्फ्यूज़न, तीन गुना पागलपन और तीन गुना मस्ती—हाउसफुल 3 को रिलीज़ हुए आज पूरे 9 साल हो गए हैं, और फैंस आज भी उसकीदीवानी कॉमेडी को याद करके हँसते-हँसते लोटपोट हो जाते हैं। इस खास मौके पर टी-सीरीज ने सोशल मीडिया पर एक धमाकेदार नॉस्टैल्जिक प्रोमोशेयर किया है, जिसमें 'टांग उठाके जैसे आइकॉनिक डांस नंबर ने एक बार फिर पुराने दिनों की याद ताज़ा कर दी। 2016 में रिलीज़ हुई हाउसफुल 3 में थे कॉमेडी के तीन बादशाह—अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन और रितेश देशमुख। तीनों ऐसे लड़कों का रोलनिभा रहे थे जो अपनी-अपनी गर्लफ्रेंड्स से शादी करना चाहते हैं, लेकिन सामने है एक अजीबोगरीब बाप (बोमन ईरानी) और उसके खुराफाती रूल्स।और जब जैकलीन फर्नांडीज़, नरगिस फखरी और लिसा हेडन जैसी ग्लैमरस हीरोइनों की एंट्री होती है, तो फिल्म का टोटल फन क्वोशंट सीधे छत परचला जाता है। साजिद-फ़रहाद द्वारा निर्देशित इस तीसरी किस्त ने हाउसफुल फ्रेंचाइज़ी की परंपरा को कायम रखा—ओवर-द-टॉप गग्स, पहचान की गलती, और शुद्धस्लैपस्टिक धमाल। क्रिटिक्स भले ही दुविधा में रहे हों, लेकिन दर्शकों ने इसे सुपरहिट बना दिया।

सिमर कौर ने लाल परी को लेकर खोले राज, बताया- दो अलग सुरों में गाया गाना

जानी-मानी सिंगर सिमर कौर ने फिल्म हाउसफुल 5 के गाने लाल परी पर अपने अनुभव साझा किए। सिमर ने बताया कि उन्होंने गाने को खास बनाने के लिए दो अलग-अलग सुरों में गाया, ताकि यह गाना लोगों के दिलों में आसानी से बस जाए। इसके अलावा, उन्होंने हनी सिंह की भी जमकर तारीफ की और कहा कि उनका म्यूजिक उन्हें बहुत प्रेरित करता है। सिमर कौर ने बताया कि जब उन्होंने लाल परी गाना रिकॉर्ड किया, तो हनी सिंह और लिरिसिस्ट अल्फाज ने उन्हें काफी सपोर्ट किया। साथ ही गाने में जोश को बनाए रखा। रिकॉर्डिंग के बारे में बात करते हुए सिमर ने कहा, जो भी लाल परी सुनेगा, वो खुद-ब-खुद उस गाने की धुन में झूमने लगेगा। हमें पहले से ही पता था कि यह गाना बड़ा हिट साबित होगा। रिलीज के समय मैं बहुत उत्साहित थी। उन्होंने आगे कहा, हनी सिंह और अल्फाज दोनों के साथ काम करना एक खास अनुभव रहा। दोनों को मैं बहुत समय से जानती हूं, और उनके साथ रिकॉर्डिंग करना काफी मजेदार पल होता है। उनसे बहुत कुछ सीखने को भी मिलता है। जब भी मैं कोई भी गाना रिकॉर्ड करती हूं, तो पूरी कोशिश करती हूं कि मैं उस गाने के मूड के अनुसार खुद को ढाल लूं। सिंगर ने आगे कहा, मैंने लाल परी गाने को पूरे दिल से गाया है। इसमें अल्फाज और हनी सिंह दोनों ने मेरी खूब मदद की है। मेरे लिए यह पूरा अनुभव मजेदार और यादगार रहा। सिमर कौर ने बताया कि उन्होंने गाने में एक खास म्यूजिकल स्टाइल डाला है, जिससे वह और भी खास बन गया। उन्होंने कहा, लाल परी को मैंने दो अलग-अलग सुरों में गाया है। दोनों सुरों का अपना एक अलग एहसास है। खासकर जो लो पिच वाला सुर है, वो एक अलग ही छाप छोड़ता है। लाल परी गाना एक हाई-एनर्जी पार्टी एंथम है, इसे यो यो हनी सिंह और सिमर कौर ने गाया है। गाने के बोल हनी सिंह और अल्फाज ने लिखे हैं, और म्यूजिक भी हनी सिंह ने ही दिया है। हाउसफुल 5 की बात करें तो इसमें अक्षय कुमार, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, सौंदर्या शर्मा, चित्रांगदा सिंह, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, जैकलीन फर्नांडिस, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, फरदीन खान, श्रेयस तलपड़े, डीनो मोरिया, निकितेन धीर, रंजीत, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त और नाना पाटेकर लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है, जबकि साजिद नाडियाडवाला ने इसे प्रोड्यूस किया है। हाउसफुल 5 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ब्लू फ्लोरल मिनी ड्रेस में भोजपुरी स्टार मोनालिसा ने शेयर की होटल रूम से बोल्ड तस्वीरें, देख फैंस बोले- हॉटनेस ओवरलोडेड

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा एक बार फिर अपने बोल्ड अंदाज़ से इंटरनेट पर आग लगा रही हैं. इस बार उन्होंने दुबई के मशहूर शेरेटन, मॉल ऑफ द एमिरेट्स होटल से अपनी कुछ ताज़ा तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं. इन फोटोज़ में मोनालिसा ब्लू फ्लोरल मिनी ड्रेस पहने हुए बेड पर बैठकर पोज़ देती नजर आ रही हैं, जिसमें उनका ग्लैमरस अवतार फैंस को दीवाना बना रहा है. मोनालिसा ने कैप्शन में लिखा, अगर चुम्बन तारे होते तो मैं तुम्हें आसमान दे देता . इस रोमांटिक कैप्शन के साथ उनका स्टाइलिश अंदाज़ खूब वायरल हो रहा है. उनके पोस्ट पर कुछ ही घंटों में 26 हजार से ज्यादा लाइक्स और सैकड़ों कमेंट्स आ चुके हैं. कोई उन्हें गॉर्जियस कह रहा है, तो कोई हॉटनेस ओवरलोडेड बताते हुए फायर और हार्ट इमोजी के साथ कमेंट कर रहा है. ब्लू और व्हाइट फ्लोरल प्रिंट वाली इस ड्रेस में मोनालिसा बेहद फ्रेश और फेमिनिन दिख रही हैं. डीप नेक कट, पफ स्लीव्स और फ्लेयर्ड हेमलाइन के साथ यह ड्रेस एक परफेक्ट समर वाइब दे रही है. ओपन हेयर, सटल मेकअप और हल्की ज्वेलरी ने उनके लुक को और भी निखार दिया है.मोनालिसा का यह बोल्ड और एलिगेंट अंदाज़ यह साबित करता है कि वह सिर्फ एक अच्छी एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि सोशल मीडिया क्वीन भी हैं.

Senior Congress leader Digvijay Singh told why he kept distance from the stage

Bhopal, Senior Congress leader Digvijay Singh has told through a Facebook post why he has kept distance from sitting on the stage in Congress party programs. He said that we have to stay among the workers. Singh said that in the last few years I have experienced that those who should get the stage are deprived of it and the supporters of the leaders encroach on the stage. Due to which there is unnecessary crowd on the stage, chaos spreads and many times unpleasant incidents like breaking of the stage also happen. Singh has shared a collage of photos, in which he is seen sitting with the workers.Senior Congress leader Digvijay Singh wrote in a Facebook post that my decision not to sit on the stage is not just a matter of personal humility but a step taken with the thought of ideologically strengthening the organization. This decision is a symbol of the basic ideology of Congress- equality, discipline and service. Today, while working for the Congress, the workers need new confidence and courage. For this, the more simplicity there is in the organization, the stronger it will be. The senior Congress leader said that I also avoided the stage during the Sangat in Pangat in 2018 in Madhya Pradesh and the Samanvay Yatra in 2023, the sole purpose of which has been that there should be no distance between the workers and the leaders and those who create discrimination should be taught harmony. Giving an example, he said that Rahul Gandhi has set

such an example while being the President of the Congress Party. The three-day full national convention of Congress in Delhi on March 17, 2018 has been a witness to this. In that session, all the senior leaders and workers including Rahul Gandhi, Sonia Gandhi were sitting in the gallery below the stage. Even the welcome was done below the stage at the place where he used to sit. I think that decision was the most successful experiment of the Congress party. Congress has been full of such examples since its inception. From Mahatma Gandhi to Rahul Gandhi, leaders staying among the public and sitting with them has set an example on many occasions. During the non-cooperation movement, Mahatma Gandhi often used to sit on the ground with the common people instead of sitting on the stage. In a famous incident, when he went to speak at a meeting, the organizers had kept a chair for him on the stage, but Gandhi ji refused it and sat on a mat on the ground. He said that he did not want any discrimination among people and wanted to treat everyone equally. This clearly showed his humility and commitment towards equality. This behavior of Gandhi ji was a part of his lifestyle and philosophy which was based on simplicity and equality.

The decision of not sitting on the stage in the Congress party programs in Gwalior on 28 April 2025 is neither new for me nor for the Congress party. Congress has always been a party of workers. Whenever the Congress party has been in power at the centre or in the states, it has been on the strength of the workers. It has been on the strength of the organisation. The party has come to power only when the leadership has got the support of the workers. But in the last few years, I have experienced that those who should get the stage are deprived of it and the supporters of the leaders encroach on the stage. Due to which there is unnecessary crowd on the stage, chaos spreads and many times unpleasant incidents like breaking of the stage also take place.

Science Sabha Korba unit organized a tree plantation program on World Environment Day

Korba, On the occasion of World Environment Day, a special tree plantation program was organized by Science Sabha Korba unit. This program was organized to increase public awareness towards environmental protection and to contribute towards a green future. The program was organized in the public park located at Sahyamudi, in which members of Science Sabha along with local citizens, school students, teachers and representatives of social organizations were present in large numbers. Under the program, various species of shady and medicinal plants were planted. On this occasion, Joint Secretary of Vigyan Sabha Nidhi Singh addressed the audience and said, “Trees are not just greenery, but carriers of life. Today, we all should take a pledge that we will not only plant trees to protect the environment, but will also ensure their protection. Principal Farhana Ali said that this time the theme of World Environment Day has been decided as Defeat Plastic Pollution. We should use less plastic in daily life. And after use, plastic should be disposed of in a proper way. People were taught to make door mats, table mats, purses, bags etc. from waste

plastic bags. Special guest of the program Raju Thakur Sarvamangal Gau Dham told important things about animal protection to the people present. He was honored by giving a plant by Vigyan Sabha. In the program, students also presented awareness songs and slogans on environment. In the end, one plant was distributed to each participant as an inspiration for tree plantation. Dinesh Kumar Secretary Vigyan Sabha Korba Unit, Jyoti Diwan poetess and science worker, Rohan Kumar Mandal played an important role in making the program successful. Gau Seva, Vicky Soni Vigyan Sabha, Rameshwari Shrivas activist Vigyan Sabha, Sumitra Manikpuri, Vimala, Rajkumari, Ananda, Kamlesh Das, Omkumar Shrivas active activists of Vigyan Sabha made commendable contribution.

World's tallest railway arch bridge will start today, PM Modi will inaugurate Katra-Srinagar Vande Bharat

Srinagar, . The first Vande Bharat Express connecting Kashmir with the rest of the country will run from Katra station on Friday. Prime Minister Narendra Modi will flag it off in Katra. According to the Prime Minister's Office, the PM will visit and inaugurate the world's tallest railway arch bridge Chenab Bridge and the country's first cable stay Anji Bridge at around 11 am. Jajdhdg 2 Shahmudyasara y d d h l h m d d - shmdbtthdddddddmm n k d d t h s r d g kchddddmmddhl: At around 12 noon, he will inaugurate the Vande Bharat train. Apart from this, he will lay the foundation stone and inaugurate other development projects worth

more than 46 thousand crores. He will also address a public meeting at Katra Stadium. Northern Railway will start Vande Bharat train service on Katra-Srinagar route from June 7. Ticket booking can be done on the website of the railways. Two trains will run between Katra and Srinagar 6 days a week. Northern Railway said that there are two travel classes in the train. The fare of chair car is Rs 715 and that of executive class is Rs 1320. Currently, trains will stop only at Banihal, decision on other stoppages will be taken later. Even after 76 years of independence, Kashmir valley is cut off from other parts of the country during the snowfall season. When there is snowfall, the way to Kashmir valley is also closed due to the closure of National Highway-44. Apart from this, it used to take 8 to 10 hours to travel from Jammu to Kashmir by road. With the start of the train, this journey will be completed in about three hours. Two trains will run on the route. The first train will leave from Katra at 8:10 am and reach Srinagar at 11:10 am. The same train will return from Srinagar at 2 pm and reach Katra at 5:05 pm. These trains (26401/26402) will not run on Tuesday. Whereas, the second train will leave from Katra at 2:55 pm and reach Srinagar at 6:00 pm. The same train will return from Srinagar at 8 am the next day and reach Katra at 11:05 am. These trains (26403/26404) will not run on Wednesday.

Wearing short dress is not a measure of beauty, girls should wear good clothes: Kailash Vijayvargiya

Indore, June 06 (RNS). Minister in the Madhya Pradesh government Kailash Vijayvargiya has given a controversial statement regarding women's attire. A video clip of him is going viral on social media, in which he is saying that when girls come to him wearing short clothes for a selfie, he refuses to give them selfie. Kailash Vijayvargiya also instructed that girls should come wearing good clothes. According to the information received, on the occasion of World Environment Day, a tree plantation program was organized in Sindoor Vatika located in Nehru Park, Indore on Thursday. Minister in the Madhya Pradesh government Kailash Vijayvargiya participated in this occasion. Addressing the people in the program, he said that one thing is very popular abroad which I do not like. In foreign countries, girls

wearing less clothes are considered beautiful, but in our country women are considered to be the form of Goddess, they should wear good clothes, wear good jewelry, do good makeup. It is said that a girl who wears less clothes is beautiful, similarly a leader who gives less speeches is also good, but I do not believe in this saying. He said that many times during the program, some girls come to me for the purpose of taking selfies, then I clearly refuse. I tell them to come wearing good clothes. Politics has also intensified after Kailash Vijayvargiya's statement on less clothes. Condemning Kailash Vijayvargiya's statement, All India Congress Committee media coordinator Rashmi posted on social media platform X. She wrote in the post, BJP's thinking towards women. What should we say about Kailash Vijayvargiya's statement on women's dress. His views seem to curb women's personal freedom and choice and strengthen stereotypical gender norms. In modern society, personal choice of dress should be respected, and such statements are often considered against the values of women's freedom and equality. These views can weaken gender equality and women's rights.

Trees are our life givers, their plantation, promotion and protection is our responsibility - Mayor

Korba, Municipal Corporation Mayor Sanjudevi Rajput said that trees are our life givers, we get oxygen from trees, life is not possible without trees and plants, hence planting more and more trees, promoting and protecting them should be our topmost responsibility. She said that due to increasing industrialization, the amount of pollution in the environment is naturally increasing, the best way to protect the environment and reduce the ill effects of pollution is to plant more and more trees. Mayor Mrs. Rajput said these things during the

tree plantation program organized in Kohadia Garden. On the occasion of World Environment Day, a tree plantation program was organized in Kohadia Garden under the joint aegis of Municipal Corporation Korba and Rotary Club Korba. Mayor Mrs. Sanjudevi Rajput, Chairman Nutan Singh Thakur, Commissioner Vinay Mishra and Senior Councilor Narendra Devangan planted trees on this occasion and planted plants of different species. On this occasion, extending her heartiest wishes of World Environment Day, Mayor Smt. Sanju Devi Rajput further said that I am happy that Nagar Palika Nigam Korba is continuously working on environment conservation and plantation, promotion and protection of trees along with successful discharge of its basic duties. The corporation is taking concrete steps towards making the city green and providing facilities to the people of the area. Works are being done continuously towards construction of gardens on a large scale, planting of trees on the roadside and road dividers and beautification of the city. On this occasion, Chairman Nutan Singh Thakur, Commissioner Vinay Mishra and Senior Councilor Narendra Devangan also extended their heartiest wishes of World Environment Day and urged the general public to plant maximum number of trees, protect and promote them and provide their important participation in the direction of environment conservation. During the program, Corporation's Superintending Engineer Suresh Barua, Executive Engineer N.K. Nath, Tapan Tiwari, Health Officer Dr. Sanjay Tiwari, Garden Superintendent Anand Rathore, Assistant Engineer Rahul Mishra, former Rotary Club President Paras Jain, Santosh Jain, Prem Gupta, Rajesh Saluja, Ramkumar Rathore,

RCB Victory Parade Stampede Case: Marketing Head Nikhil Sosle arrested, three others also detained

Bengaluru, In the case of stampede before the Royal Challengers Bangalore (RCB) victory parade, the police took a big action and arrested the team's marketing head Nikhil Sosle. 11 people died and many were injured in this accident. According to police sources, Nikhil Sosle was trying to escape to Mumbai, but he was arrested at the airport itself. At present, he is being questioned so that it can be ascertained what was his role in the chaos of the event. Crisis Apart from this, three employees of DNA Entertainment Networks associated with the event—Kiran, Sumanth and Sunil Mathew—have also been detained. Sheshadripuram ACP Prakash is interrogating him at Cuban Park police station. In this case, an FIR was registered against the Karnataka State Cricket Association, DNA Entertainment Networks, Karnataka State Cricket Association (KSCA) and other unknown people in the Cubbon Park police station. The police is now trying to find out whose

permission was taken for the event, how much safety standards were followed, and at what levels the rules were ignored. The state Chief Minister Siddaramaiah had suspended several officers, putting the responsibility of the incident on the police. After this, senior IAS officer Seemant Kumar Singh was appointed as the new Police Commissioner of Bengaluru. After this accident, the IAS management had announced financial assistance of Rs 10 lakh each to the families of the deceased. The police investigation is still going on and more revelations are expected in the coming days

Bollywood actor Dino Morea's troubles increased, ED raided several places

Mumbai, Bollywood actor Dino Morea is in the headlines these days more for a big scam than for his films. His and his brother Santino Morea's name have come up in the investigation of Mumbai's much-discussed Mithi river cleaning scam. The Enforcement Directorate (ED), which is investigating the case, has raided about a dozen locations and summons have been issued to Santino Morea for questioning . According to ED sources, the names of Dino Morea and his brother Santino have come up in the investigation of the call records of the main accused of the scam, Ketan Kadam. It is alleged that they had several conversations with Ketan, due to which the agency suspects that both of them may have some role in this scam. Earlier, the Economic Offenses

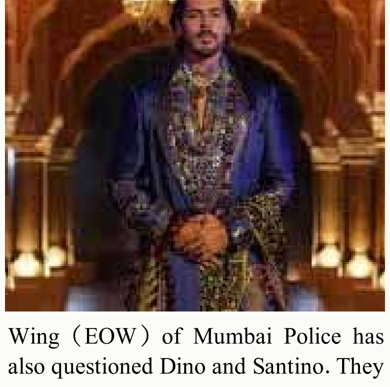

Wing (EOW) of Mumbai Police has also questioned Dino and Santino. They were summoned only last week. What is the Mithi River scam? Mumbai Municipal Corporation (MMC) had recently launched a big campaign to clean the Mithi River. In this cleaning campaign, sludge pushers and dredging machines were hired, for which a Kochi-based company Matprop Technical Services Private Limited was hired. It is alleged that these machines were hired at a much higher rate than the market rate, and huge financial irregularities were committed in this entire process. The main accused of the scam, Ketan Kadam and Jai Joshi, are accused of misappropriating crores of rupees in connivance with officials of Matprop Company and some officers of BMC's Storm Water Drainage Department. Initial investigation has revealed that the Mumbai Municipal Corporation has suffered a loss of about Rs 65.54 crore due to this scam. ED is now investigating this entire network to find out how people associated with the film industry got involved in this corruption and whether there is any concrete evidence against them.

THEFT WORTH LAKHS IN VACANT HOUSE

Korba, Thieves targeted an empty house in Shivaji Nagar of the district. The thieves stole an Artica car (No. 18 Cr 3707) and a TVS Scooty (No. 12 Cr 2460) parked in the courtyard of the house. Apart from this, the cupboards inside the house were found broken and the items were found scattered.The whole matter is of Shivaji Nagar Plot Number 269/10. The owner of the house Manoj Kumar Paikra is employed as a director in the Fisheries Department in Raipur. His wife Sunita Paikra is a government teacher in Korba. The whole family

has gone to Dehradun-Kedarnath to spend the summer vacation.In the morning, when the people of the locality saw that the lock of the neighbours' house was broken and the vehicles were also not parked, they called the neighbour. When they went inside the house and looked, the lock was broken and the goods were scattered. The vehicles parked in the courtyard were missing. The neighbours called Manoj Kumar Paikra and informed him about the entire incident. Manoj Kumar Paikra informed his brother-in-law Rajesh Kumar Kanwar about the entire incident and asked him to file a police complaint. Rajesh Kumar immediately reached the Civil Line police station and informed about the entire incident. After this, the Civil Line police station has started investigating. Incidents of theft are increasing day by day in Korba. At present, it has to be seen what the police does now. The police should take immediate action to catch the thieves and strengthen the security system in the city.